मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 8 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 11 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 04, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ किराये के मकान में जीवन की कीमत कम

सुकेश का नोरा पर सनसनीखेज दावा ◀◀ 6

धनबाद में भू-धंसान से कई घर जमींदोज, मलबे में दबने से 6 लोग घायल, एक बच्चे की मौत

संवाददाता

धनबाद: जिले के जोगता थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सिजुआ काली मंदिर के समीप अचानक जमीन धंस गई। भू-धंसान इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आने से कई घर जमींदोज हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में चीख-पुकार और दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, भू-धंसान के दौरान कुछ लोग मलबे में दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल राहत-बचाव शुरू करते हुए मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकाला। एक बच्चे की मौत और कई लोग घायल हो गए हैं।

अवैध कोयला खनन से हादसे का आरोप : घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में पहले अवैध तरीके से कोयला खनन किया गया था। जिसकी वजह से जमीन कमजोर हुई और यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने कतरास-सिजुआ मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और प्रभावित परिवारों के लिए तत्काल पुनर्वास की मांग की।

मौके पर पहुंचे बाघमारा विधायक : लोगों का कहना है कि जब तक सुरक्षित आवास और पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। घटना की जानकारी मिलने के बाद बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो भी मौके पर पहुंचे। विधायक ने घटना के पीछे पूर्व में हुई अवैध माइनिंग को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के कारण जमीन खोखली हुई और इसी वजह से यह भयावह हादसा हुआ। फिलहाल मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई है। लोग प्रशासन से प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास और घटना की जांच की मांग पर अड़े हैं। हादसे के बाद इलाके में भय का माहौल बना हुआ है।

बीसीसीएल के एरिया जीएम ने दी जानकारी : बीसीसीएल सिजुआ एरिया के जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने बताया कि इलाके में भू-धंसान की घटना हुई है। इस घटना में चार घर पूरी तरह जमींदोज हो गए हैं, जबकि दो अन्य घर भी इसकी चपेट में आए हैं। जिनमें दरारें पड़ गई हैं। घटना में कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है, जिनका इलाज कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तत्काल प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। भू-धंसान की घटना में 12 वर्षीय विक्रम कुमार भुइयां की मौत हो गई है। मौत की की पुष्टि अंचल अधिकारी (सीओ) गिरिजानंद किस्कू ने की है।

राहुल गांधी को हाईकोर्ट से झटका, 'चौकीदार चोर है' वाले मामले को रद्द करने से अदालत ने किया इनकार

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित 'चौकीदार चोर है' की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। उनकी इस टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि केस रद्द करने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया है। इस मामले में राहुल गांधी ने मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जारी समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। उनकी ओर से तर्क दिया गया था कि शिकायत सुनवाई योग्य नहीं है। उनकी ओर से कहा गया था कि कथित बयान में किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था और न ही किसी 'पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग' को निशाना बनाया था। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस नितिन बोरकर की सिंगल बेंच ने राहुल गांधी की दलील को खारिज करते हुए कहा कि भाजपा एक पंजीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक दल है और इसलिए वह निश्चित रूप से एक पहचान योग्य संस्था है। कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता का दावा है कि वह दो दशक से भाजपा का सक्रिय सदस्य रहा है। पहली नजर में प्रधानमंत्री को, जो भाजपा के सदस्य हैं, 'कमांडर-इन-थीफ' बताने वाले बयान को सिर्फ पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व तक सीमित नहीं माना जा सकता। कोर्ट के मुताबिक, इस बयान का वास्तविक आशय क्या था और इसका पार्टी के सदस्यों पर क्या प्रभाव पड़ा, यह सवाल मुकदमे के दौरान विचार किया जाना है।

राहुल गांधी के वकील सुदीप पासबोला ने हाईकोर्ट में दलील दी कि कथित ट्वीट में राहुल गांधी ने भाजपा या किसी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया था। उन्होंने कहा कि किसी 'पहचाने जा सकने वाले या निश्चित वर्ग' को निशाना नहीं बनाया गया है। ऐसे में कोई स्पष्ट रूप से पीड़ित व्यक्ति या समूह मौजूद नहीं है, इसलिए शिकायतकर्ता के पास आपराधिक मानहानि का मामला चलाने का अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार की ओर से भी विरोध किया गया। महाराष्ट्र के एडवोकेट जनरल की ओर से कहा गया कि कोर्ट को यह देखना होगा कि मानहानि के अपराध के लिए जरूरी तत्व मौजूद हैं या नहीं। साथ ही यह भी देखना होगा कि क्या टिप्पणी किसी निश्चित एवं पहचान योग्य समूह से संबंधित थी।

बड़ा तालाब के पास शव मिलने से सनसनी कर्बला चौक के मो. सरवर की हुई पहचान

रांची : राजधानी के बड़ा तालाब के पास मंगलवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब संदिग्ध अवस्था में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान कर्बला चौक निवासी मो. सरवर के रूप में की गई है। पुलिस ने परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद शव की शिनाख्त की। शव किस परिस्थिति में तालाब के पास पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, इसे लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मौत के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस घटनास्थल से मिले सुराग और आसपास की परिस्थितियों की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असली वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। शव मिलने की घटना ने एक बार फिर बड़ा तालाब के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था और संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में भारत के साथ विचार-विमर्श को आगे बढ़ाएंगे: ईरान

नई दिल्ली । ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने मंगलवार को भारत के साथ ईरान के बेहतर संबंधों को जिक्र किया। उन्होंने बिश्केक में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के साथ हुई प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात के बारे में बताते हुए कहा कि भारत के साथ हमारे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे संबंध हैं। बाघेई ने कहा कि हम 'ब्रिक्स' शिखर सम्मेलन में होने वाली मुलाकात का लाभ उठाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ बातचीत और विचार-विमर्श को आगे बढ़ाएंगे। भारत में ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में इस्माइल बाघेई के बयान का एक वीडियो साझा किया। इस्माइल बाघेई ने कहा, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने बिश्केक में जिन नेताओं से मुलाकात की, उनमें भारत के प्रधानमंत्री भी शामिल थे। भारत के साथ हमारे संबंध बहुत पुराने, ऐतिहासिक और सभ्यतागत रिश्तों पर आधारित हैं और हम भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देते हैं।"

उन्होंने कहा कि भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और 'ब्रिक्स' दोनों का सदस्य है। यह उन देशों में से एक हैं, जिनके साथ हमारे विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे संबंध हैं। खासकर व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में। उन्होंने बताया कि ईरान और भारत के बीच होने वाली चचाओं में आमतौर पर कई मुद्दों पर बात होती है। इनमें चाबहार बंदरगाह भी शामिल है, जो दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण है। इस दौरान ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का भी जिक्र किया। बाघेई ने कहा, "ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से मिलने वाले अवसर का हम निश्चित रूप से उपयोग करेंगे, ताकि आपसी हितों से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में भारत के साथ बातचीत और विचार-विमर्श को आगे बढ़ाया जा सके। जैसा कि मैंने कहा, भारत के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं और लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा, सरदार पटेल विद्यालय और कई सरकारी दफ्तरों को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली : दिल्ली विधानसभा, सरदार पटेल विद्यालय और कई सरकारी संस्थानों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू किया और प्रभावित जगहों पर बड़े पैमाने पर जांच शुरू कर दी। मंगलवार सुबह के समय धमकी मिलने के बाद, स्टैंडर्ड सिक्योरिटी प्रोटोकॉल के तहत दिल्ली पुलिस, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड, डॉग यूनिट और दिल्ली फायर सर्विस की टीमें उन जगहों पर पहुंचीं और संबंधित इलाकों की घेराबंदी कर दी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा टीमों द्वारा तलाशी ली गई किसी भी जगह पर अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। परिसरों की अच्छी तरह से जांच की जा रही है और अधिकारी एहतियाती इंतजामों के तहत स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। ईमेल और धमकी के स्रोत की आगे की जांच चल रही है। यह ताजा धमकी दिल्ली विधानसभा को लेकर पहले से मौजूद सुरक्षा चिंताओं के बीच आई है, जिसे पहले भी इसी तरह की बम की धमकियां मिल चुकी हैं।

इससे पहले, 14 अगस्त को दिल्ली हाईकोर्ट समेत दिल्ली की कई जगहों पर बम की धमकियां मिली थीं, जिसके कारण स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट को यह धमकी ईमेल के जरिए मिली थी, जिसमें 15 अगस्त को दोपहर 2:11 बजे कोर्ट में कथित धमाके की चेतावनी दी गई थी। उसी ईमेल में 15 अगस्त को दोपहर 3:11 बजे दिल्ली की जिला अदालतों में भी धमाकों की धमकी दी गई थी।

गंगा, कोसी, गंडक समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर, बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर

पटना : बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, पुनपुन और घाघरा समेत कई प्रमुख नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बना हुआ है। जलस्तर में अलग-अलग स्थानों पर वृद्धि और गिरावट के बीच निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गंभीर बना हुआ है। जल संसाधन विभाग के मंगलवार की सुबह छह बजे के आंकड़ों के मुताबिक, कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान से एक से करीब तीन मीटर तक ऊपर बह रही हैं। पुनपुन नदी की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक बनी हुई है। श्रीपालपुर में नदी का जलस्तर 53.55 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 50.60 मीटर से 2.95 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर बढ़ने का रुझान जारी है। बूढ़ी गंडक भी खगड़िया में खतरे के निशान से काफी ऊपर बह रही है। यहां जलस्तर 38.56 मीटर दर्ज किया गया, जबकि खतरे का स्तर 36.58 मीटर है। नदी यहां 1.98 मीटर ऊपर बह रही है और जलस्तर बढ़ रहा है। गंगा नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर है। दीघा घाट में जलस्तर 51.54 मीटर, गांधी घाट में 50.31 मीटर और हाथीदह में

43.41 मीटर दर्ज किया गया। इन स्थानों पर नदी क्रमशः 1.09 मीटर, 1.71 मीटर और 1.65 मीटर खतरे के निशान से ऊपर है। हालांकि पटना और हाथीदह के इन स्थानों पर जलस्तर में गिरावट का रुझान है। वहीं, गंगा के निचले इलाकों में जलस्तर बढ़ रहा है। मुंगेर में गंगा 40.08 मीटर, भागलपुर में 34.60 मीटर और कहलगांव में 32.77 मीटर पर बह रही है। इन स्थानों पर नदी खतरे के निशान से क्रमशः 0.75 मीटर, 0.92 मीटर और 1.68 मीटर ऊपर है।

कोसी नदी बलतारा में 35.15 मीटर और कुरसेला में 31.40 मीटर पर है। दोनों स्थानों पर नदी खतरे के निशान से ऊपर है और जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। बलतारा में कोसी खतरे के निशान से 1.30 मीटर और कुरसेला में 1.40 मीटर ऊपर है। गंडक नदी भी डुमरिया घाट और हाजीपुर में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। डुमरिया घाट में जलस्तर 62.75 मीटर दर्ज हुआ, जो खतरे के निशान से 0.53 मीटर ऊपर है। हालांकि यहां जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है।

दूसरी तरफ बागमती नदी मुजफ्फरपुर में 48.93 मीटर पर है, जो खतरे के स्तर से 0.25 मीटर ऊपर है। यहां जलस्तर फिलहाल स्थिर है। वहीं घाघरा नदी दरौली और गंगपुर सिसवन में भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, प्रमुख बैराजों से पानी के डिस्चार्ज में फिलहाल गिरावट का रुझान है। बीरपुर बैराज से कोसी का डाउनस्ट्रीम डिस्चार्ज 1,77,880 क्यूसेक, वाल्मीकिनगर बैराज से गंडक का 1,04,400 क्यूसेक और इंद्रपुरी बैराज से सोन नदी का 1,02,574 क्यूसेक दर्ज किया गया।

उधर, नदियों के बढ़े जलस्तर के कारण राज्य के 13 जिलों के 77 प्रखंडों की 438 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत करीब 29.13 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ राहत सामग्री, भोजन और पेयजल उपलब्ध कराने का काम जारी है।

अधिकारियों की ओर से तटबंधों और नदियों के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। खासकर गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक और पुनपुन के बढ़ते जलस्तर वाले इलाकों में प्रशासन को सतर्क रखा गया है।

मधुकम जमीन विवाद में महादेव उरांव की अपील पर अब दूसरी बेंच करेगी सुनवाई

रांची: रातू रोड के मधुकम में जमीन विवाद से जुड़े मामले में महादेव उरांव की ओर से दायर अपील याचिका पर अब दूसरी सक्षम बेंच सुनवाई करेगी। झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने अपील पर सुनवाई के दौरान इसे दूसरी बेंच में भेजने का निर्देश दिया। इसके बाद मामले की सुनवाई दूसरी सक्षम बेंच में होगी।

31 जुलाई के आदेश को दी है चुनौती : बता दें, मामले में प्राथी महादेव उरांव ने अपील याचिका दायर कर 31 जुलाई 2026 को अवमानना याचिका में पारित आदेश को चुनौती दी है। अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने रिट याचिका में प्रार्थी के पक्ष में पहले पारित आदेश को वापस लेते हुए उसे शून्य करार दिया था। साथ ही कोर्ट को गुमराह करने के मामले में महादेव उरांव पर 12 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था। और हेहल अंचलाधिकारी की कार्रवाई को गलत ठहराते हुए उन्हें कड़ी फटकार भी लगायी थी।

सीओ को अतिक्रमण हटाने का दिया गया था निर्देश : उल्लेखनीय है कि इससे पहले एकल पीठ ने अपने आदेश में हेहल अंचलाधिकारी को अतिक्रमण हटाने से संबंधित विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसी आदेश और बाद में अवमानना याचिका में पारित फैसले को लेकर मामला हाइकोर्ट पहुंचा है। अब महादेव उरांव की अपील पर दूसरी सक्षम बेंच सुनवाई करेगी।

झारखंड हाईकोर्ट का फैसला ,सेवा काल में मृत कर्मी की दूसरी पत्नी को नहीं मिलेगा अनुकंपा का लाभ

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने एक अपील याचिका पर सुनवाई के बाद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस एमएस सोनक व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति के दूसरी शादी करता है, तो सेवा काल में उसके निधन के बाद दूसरी पत्नी अनुकंपा नियुक्ति का दावा नहीं कर सकती, चाहे प्रथागत कानून के तहत ऐसी शादी की अनुमति ही क्यों न हो।

दूसरी शादी के लिए विभागीय अनुमति जरूरी: हाईकोर्ट : झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की पीठ ने यह फैसला एक दिवंगत पंचायत सेवक की कथित दूसरी पत्नी द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए दिया। खंडपीठ ने कहा कि सरकारी कर्मी पहली पत्नी के जीवित रहते दूसरी शादी नहीं कर सकता, जब तक कि इसकी लिखित अनुमति न ली गई हो। स्पष्ट किया कि संथाली जनजाति की परंपराओं का तर्क सेवा नियमों के आगे बेअसर है, क्योंकि कर्मचारी ने दूसरी शादी करने से पहले नियम 23(2) के तहत सक्षम अधिकारी से अनुमति नहीं ली थी।

अनुकंपा नियुक्ति की मांग ठुकराई : झारखंड हाईकोर्ट ने पंचायत सेवक की कथित दूसरी पत्नी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि कर्मचारी बरनवास मालतु की सेवाकाल के दौरान 11 जुलाई 2011 को मृत्यु हो गयी थी। इसके बाद दूसरी पत्नी ने अनुकंपा नियुक्ति और सेवानिवृत्ति लाभ की मांग की, जिसे खारिज कर दिया गया। आवेदन खारिज होने के बाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। कोर्ट ने सेवानिवृत्ति लाभों में से पहली पत्नी व दूसरी पत्नी के नाबालिग बेटे को ग्रेच्युटी का हिस्सा देने का आदेश दिया था। दूसरी पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति देने से इनकार कर दिया गया, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील दायर की थी।

वडोदरा में पीएम मोदी का जेन-जी को संदेश, बोले- देश का हर नौजवान 'सच की हुंकार' के साथ

वडोदरा : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर को 21वीं सदी के भारत की जीवनरेखा बताया और कहा कि बीते 12 साल में देश के काम करने की संस्कृति बदली है। पीएम मोदी ने कहा, ये डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का साक्षी है कि बीते 12 साल में देश की काम करने की संस्कृति कैसे बदली है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ था। 2006 में इस काम को करने के लिए एक विशेष कंपनी बनाई गई और फिर 2014 तक फाइलें ही यहां से वहां होती रहीं। दुर्भाग्य देखिए कि इन फाइलों को भी कोई डेडिकेटेड कॉरिडोर नसीब नहीं हुआ। फाइलें अटकती थी, लटकती थी, भटकती थी। उन्होंने कहा, 2014 के बाद जब आपके आशीर्वाद से मैं दिल्ली पहुंचा और वहां पहुंचते ही हमने इसको गति देने का काम शुरू किया। 2,800 किमी के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का काम आज पूरा करके दिखाया

है। आज ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर देश के व्यापार-कारोबार का मुख्य आधार बन रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित होते भारत की जीवनरेखा है और इसने भारत के ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर का कायाकल्प कर दिया है। उन्होंने कहा, पहले पैसेंजर ट्रेन जिस ट्रैक पर चलती थी, उसी पर मालगाड़ी भी चलती थी। यानी ट्रैवल और ट्रांसपोर्ट दोनों धीमे थे लेकिन डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने स्थिति को बदल दिया है। आज पूर्वी और पश्चिमी फ्रेट कॉरिडोर पर प्रतिदिन 430 से ज्यादा मालगाड़ियां चलती हैं। पहले जो मालगाड़ी 6.30 घंटे में 100 किमी का सफर तय करती थी, अब वही मालगाड़ी आधे से भी कम समय में 100 किमी का सफर तय कर लेती है।

उन्होंने बताया कि ये फ्रेट कॉरिडोर एक और वजह से कमाल का है। हाल ही में जेएनपीटी पोर्ट मुंबई से वडोदरा तक डबल स्टैक कंटेनर मालगाड़ी का संचालन किया गया है। इस मालगाड़ी के चलने से एक बार में ही 250 से अधिक ट्रकों के बराबर का सामान मुंबई से वडोदरा आ गया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा, अब ये जो नाराज फूफाजी हैं, वो चिल्लाएंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, ट्रक कहा जाएंगे, उनका क्या होगा? अब इन फूफा जी को काम मिल गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि फ्रेट कॉरिडोर के साथ-साथ अब भारत में रेल वहां भी पहुंच रही है जहां इतने दशकों तक नहीं पहुंची थी। गुजरात हो, मध्य प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो, यहां जो आदिवासी क्षेत्र हैं, वे भी इस परियोजना के द्वारा रेल से जुड़ रहे हैं। पहले की सरकार में बजट में 1-2 ट्रेनों की घोषणा होती थी और उसके भी सालभर ढोल पीटे जाते थे। आज देश में साल भर एक के बाद एक नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। आज भी इस कार्यक्रम में कई नई ट्रेनें शुरू हुई हैं।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का रेल बजट पौने 3 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है, जो 12 वर्ष पहले की तुलना में कई गुना अधिक है। यानी रेलवे के आधुनिकीकरण पर हो रहा खर्च हजारों-हजार नए रोजगार बना रहा है। प्रधानमंत्री ने वडोदरा की मैन्युफैक्चरिंग ताकत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने देश के सामने विकसित भारत की जिन सप्त धाराओं का विजन रखा है, उसमें एक धारा मैन्युफैक्चरिंग की भी है और वडोदरा शहर इसकी ताकत अच्छे से जानता भी है, समझता भी है। एजुकेशन, स्कील और इंडस्ट्री का कोलैब कैसे होता है, वडोदरा 150 सालों से इसका प्रतिबिंब है। पीएम मोदी ने कहा, अब तो ये शहर देश के पहले मेड इन इंडिया मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के लिए भी जाना जा रहा है। सी-295 की पहली फ्लाइट यहां का आसमान देख चुका है।

अमेरिकी शांतिदूतों के जाते ही टूटा युद्धविराम , रूस ने यूक्रेन पर फिर शुरू किए हमले, दो की मौत

कीव : रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिकी शांति दूतों की बातचीत का भी कोई असर नहीं दिखाई दिया। दोनों देशों की ओर से तीन दिन तक युद्धविराम पर बनी सहमति कुछ ही घंटों में धराशाई हो गई। सोमवार रात ही रूस ने राजधानी कीव और कई अन्य इलाकों पर बड़े पैमाने हमले किए। इन हमलों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दस लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि कीव और इस इलाके के साथ-साथ कई दूसरे इलाकों में भी, रूसी हमले के बाद के हालात से निपटने के लिए रात से ही काम चल रहा है। यह एक बड़ा ही घातक हमला था, जिसे रूसियों ने जानबूझकर ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के इरादे से किया।

समाचार सार

बर्जर पेंट्स का कंस्ट्रक्शन केमिकल्स कारोबार 1,500 करोड़ के पार

रांची: बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड का कंस्ट्रक्शन केमिकल्स कारोबार वित्त वर्ष 2026 में 1,500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पिछले तीन वर्षों में इस कारोबार ने 25 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर दर्ज की है। कंपनी के अनुसार, कारोबार अब वाटरप्रूफिंग, रिपेयर और टाइलिंग जैसे क्षेत्रों तक फैल चुका है। एमडी एवं सीईओ अभिजीत रॉय ने कहा कि कंपनी निर्माण की बदलती जरूरतों के अनुरूप नए उत्पाद और समाधान विकसित कर रही है।

रांची रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की दिशा में रेलवे की कवायद तेज

रांची : रांची रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की दिशा में रेलवे ने कवायद तेज कर दी है. स्टेशन परिसर स्थित रेलवे के 50 से अधिक पुराने स्टाफ क्वार्टर और विभिन्न कार्यालयों को ध्वस्त करने का काम शुरू होगा. इन भवनों को हटाने के बाद जमीन को समतल कर स्टेशन के री-डेवलपमेंट का निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा.

रेलवे अधिकारी ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत पुराने भवनों को हटाकर जल्द ही निर्माण कार्य को गति दी जायेगी. रांची स्टेशन के पुनर्विकास को लेकर फिलहाल स्टेशन के दक्षिण छोर में स्टेशन बिल्डिंग का काम चल रहा है. इसका उद्घाटन होने के बाद नार्थ साइड में निर्माण कार्य शुरू होगा।

191 अफसरों को हाईकोर्ट का कवच, नियुक्तियां रद्द करने से फिलहाल इनकार

रांची : जएसएससी की परीक्षाएं और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के बाद हुई नियुक्तियां रद्द किये जाने के राज्य सरकार के आदेश पर झारखंड हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट में 191 प्रार्थियों ने याचिका दायर की है. इन याचिकाओं पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रोशन की पीठ में सभी प्रार्थियों के मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार को इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

चयनित अफसरों ने दायर की याचिका : प्रार्थियों की ओर से राज्य के पूर्व महाधिवक्ता और वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन एवं दीपांकर राय ने कोर्ट के समक्ष पक्ष रखा. हाईकोर्ट में जिन प्रार्थियों ने याचिका दायर की है, उसमें आकाश गौरव एवं अन्य शामिल हैं. ये सभी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा के जरिये चयनित हुए नवनियुक्त अफसर हैं. इससे पहले सोमवार को हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाले 284 प्रार्थियों को राहत दी थी।

तेतुलिया वनभूमि घोटाला: शैलेश सिंह की जमानत याचिका के दोष दूर करने की मिली अनुमति

रांची : बोकारो जिले के चर्चित तेतुलिया वनभूमि घोटाला मामले में आरोपी शैलेश सिंह ने झारखंड हाईकोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की है। हालांकि, याचिका में कई तकनीकी त्रुटियां पाई गई थीं। इन त्रुटियों को नजरअंदाज करते हुए याचिका पर सुनवाई की अनुमति देने के लिए शैलेश सिंह की ओर से इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन दाखिल की गई थी।

आईए पर मंगलवार को न्यायाधीश अनिल कुमार की पीठ में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने जमानत याचिका में मौजूद दोषों को नजरअंदाज करने की अनुमति दे दी। साथ ही कोर्ट ने स्टांप रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जमानत याचिका को नये सिरे से अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

103 एकड़ वनभूमि से जुड़ा है मामला : तेतुलिया वनभूमि घोटाला मामला करीब 103 एकड़ जमीन से जुड़ा है। जांच एजेंसी के अनुसार, अंसारी बंधुओं ने कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उक्त जमीन को अपनी पैतृक संपत्ति बताते हुए दावा किया था। इसी आधार पर जमीन का म्यूटेशन उनके नाम पर किए जाने की बात सामने आई थी।

आरोप है कि शैलेश सिंह ने अंसारी बंधुओं द्वारा तैयार किए गए दस्तावेजों के आधार पर जमीन की बिक्री के लिए पावर लिया था। इसके बाद करीब 74 एकड़ जमीन उसके बेटे के नाम से जुड़ी आयुष मल्टीकॉम कंपनी को बेचे जाने की बात जांच में सामने आई।

वन विभाग ने भी जताया था जमीन पर दावा : मामला सामने आने के बाद वन विभाग ने संबंधित जमीन को वनभूमि बताते हुए उस पर अपना दावा पेश किया। जांच के दौरान जमीन के रिकॉर्ड और म्यूटेशन प्रक्रिया को लेकर भी कई सवाल उठे। मामले में तत्कालीन अंचल अधिकारी की भूमिका की जांच की गई और सरकार की ओर से उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त किए जाने की जानकारी सामने आई।

इसके बाद राज्य सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच सीआईडी को सौंप दी। सीआईडी ने जांच के क्रम में शैलेश सिंह को जुलाई 2026 में पटना से गिरफ्तार किया था।

एऊभी कर रही है जांच : तेतुलिया वनभूमि मामले की जांच अब केवल सीआईडी तक सीमित नहीं है। प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) भी इस मामले में कथित वित्तीय अनियमितताओं और जमीन से जुड़े लेन-देन के पहलुओं की जांच कर रहा है।

फिलहाल हाईकोर्ट ने शैलेश सिंह की जमानत याचिका में मौजूद तकनीकी दोषों को नजरअंदाज करने की अनुमति दी है। अदालत के निर्देश के बाद याचिका को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर दोबारा कोर्ट के समक्ष रखा जाएगा। जमानत पर अंतिम निर्णय आगे की सुनवाई में होगा।

12 से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा

रांची : सराफ परिवार के तत्वावधान में 12 से 18 सितंबर तक महाराजा अग्रसेन भवन, सेवा सदन रोड में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं व्यास श्री दिनेश जी भारद्वाज श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी संजय सराफ ने दी।

कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 से शाम 6 बजे तक होगी। 12 सितंबर को सुबह 10 बजे कलश यात्रा निकाली जाएगी। सातों दिनों में भगवान के विभिन्न अवतार, भक्त चरित्र और श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन होगा। 16 सितंबर को गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग, 17 सितंबर को रुक्मिणी विवाह तथा 18 सितंबर को सुदामा चरित्र और पूर्णाहुति होगी। समापन दिवस पर दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।

संजय सराफ ने धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ उठाने की अपील की।

झारखंड खादी बोर्ड में ठेकेदारी प्रथा के विरोध में मौन धरना, तीन माह से लंबित वेतन भुगतान की मांग

संवाददाता

रांची : झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड में ठेकेदारी प्रथा लागू किए जाने और कर्मचारियों के तीन माह से लंबित वेतन भुगतान के विरोध में कर्मचारियों ने मौन धरना शुरू किया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से वेतन का भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके बावजूद उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने ठेकेदारी प्रथा को लेकर भी विरोध जताया। उनका कहना है कि खादी बोर्ड में नियमित रूप से काम करने वाले कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था संचालित की जानी चाहिए। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदारी व्यवस्था से कर्मचारियों के भविष्य और रोजगार की स्थिरता को लेकर असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

कर्मचारियों के अनुसार, पिछले तीन माह से वेतन का भुगतान लंबित है। वेतन नहीं मिलने से परिवार के दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई, मकान का किराया और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो रही है। कर्मचारियों ने मांग की कि लंबित वेतन का तत्काल भुगतान किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक संकट से राहत मिल सके।

धरने के दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया। उनका कहना है कि मौन धरना किसी टकराव के लिए नहीं, बल्कि संबंधित अधिकारियों का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकृष्ट कराने के लिए किया जा रहा है।

कर्मचारियों ने मांग की कि खादी बोर्ड में ठेकेदारी प्रथा को समाप्त या उस पर पुनर्विचार किया जाए तथा कर्मचारियों के हितों को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही तीन माह से लंबित वेतन का जल्द से जल्द भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

कर्मचारियों का कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आगे अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन को और तेज करने पर विचार करेंगे। धरने के माध्यम से कर्मचारियों ने बोर्ड प्रबंधन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की अपील की है।

संत शिरोमणि रविदास जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना हमारा संकल्प : भाजपा

संवाददाता

खलारी। झारखंड प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के दिशा-निर्देशानुसार एवं रांची जिला ग्रामीण पश्चिमी के तत्वावधान में सोमवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में ऐतिहासिक पहाड़ी मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कलश पूजन, नगर भ्रमण एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य संत शिरोमणि रविदास जी की पावन समाधि स्थल की मिट्टी को कलश में स्थापित कर देश के गांव-गांव तक पहुंचाना तथा उनके महान विचारों, ज्ञान, सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम की शुरूआत कलश के भव्य नगर भ्रमण से हुई। श्रद्धालुओं एवं भाजपा कार्यकताओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कलश यात्रा में भाग लिया। इसके पश्चात खलारी पहाड़ी मंदिर परिसर में विधिवत मंत्रोच्चार के साथ कलश का पूजन-अर्चन किया गया। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर समाज एवं राष्ट्र की सुख-शांति, समृद्धि और सामाजिक सद्भाव की कामना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के महान संदेशवाहक थे। उन्होंने अपने विचारों एवं कर्मों के माध्यम से समाज को जाति-पांति और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता एवं भाईचारे के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज के दौर में उनके विचार और अधिक प्रासंगिक हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता खलारी मंडल महामंत्री दिनेश गुप्ता ने की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि संत शिरोमणि रविदास जी के बताए मार्ग—समता, समरसता, भाईचारा और मानवता—को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए नहीं है।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

जेसीआई रांची उड़ान ने सब्जी बिक्रेताओं को बांटे स्टील बोतल

प्लास्टिक कम करें, पर्यावरण स्वच्छ रखें: डॉ.प्रिया लखोटिया

संवाददाता

रांची : पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग को कम करने के उद्देश्य से जेसीआई रांची उड़ान द्वारा मोरहाबादी स्थित सब्जी बाजार (वेन्डर मार्केट) में सब्जी बिक्रेताओं एवं श्रमिकों के बीच स्टील की बोतलों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य लोगों को प्लास्टिक बोतलों के स्थान पर टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर जेसीआई रांची उड़ान की अध्यक्ष डॉ.प्रिया लखोटिया एवं सचिव पूजा बुधिया के साथ ट्विंकल छावछरिया, खूशबू भाला एवं सारिका सिंह ने अपने हाथों से सब्जी बिक्रेताओं और श्रमिकों को स्टील की बोतलें वितरित कीं।

इस अवसर पर डॉ. प्रिया लखोटिया ने कहा कि छोटे-छोटे बदलाव ही बड़े परिवर्तन की नींव रखते हैं। प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर स्टील की बोतलों का उपयोग न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता की दृष्टि से भी लाभदायक है। जेसीआई रांची उड़ान का प्रयास है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक लोग इस सकारात्मक बदलाव का हिस्सा बनें। सब्जी बाजार में काम करने वाले श्रमिकों एवं विक्रेताओं ने भी इस पहल की सराहना की और स्टील की बोतलों का उपयोग करने का संकल्प लिया।

ह्लप्लास्टिक कम करें, पर्यावरण बचाएंह्व के संदेश के साथ जेसीआई रांची उड़ान की यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक कदम है।

करम पूजा की तैयारी को लेकर केंद्रीय सरना संघर्ष समिति की बैठक

संवाददाता

रांची : केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के तत्वावधान में करम पूजा की तैयारी को लेकर सोमवार को पिस्का मोड़, रांची में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिवा कच्छप ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए शिवा कच्छप ने कहा कि करम पूजा आदिवासियों का महत्वपूर्ण पर्व है, जो प्रकृति और पर्यावरण से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि करम पूजा भादो एकादशी के अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाई जाएगी। अखरा में विधि-विधान के साथ करम देव को स्थापित किया जाएगा तथा पहान से करम पूजा की कथा सुनने की परंपरा का पालन किया जाएगा।

उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि करम पूजा के दौरान पारंपरिक ढोल-नगाड़े और मांदर की थाप पर नृत्य करते हुए उत्सव को पारंपरिक तरीके से मनाएं। करम देव की पूजा अन्न और प्रार्थना के साथ शुरू की जाए तथा हड़िया का सेवन प्रसाद के रूप में परंपरागत रूप से किया जाए। बैठक में बताया गया कि 22 सितंबर 2026 को उपवास एवं रात्रि में करम पूजा, 23 सितंबर को पारण तथा 24 सितंबर को करम डाल का विसर्जन किया जाएगा। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति ने जिला प्रशासन से मांग की कि रांची शहर के 53 वार्डों के अखरा स्थलों में साफ-सफाई और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराई जाए, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण में करम देव की पूजा-अर्चना कर सकें।

बैठक में मुख्य रूप से रीता खलखो, सिटिया उरांव, नूरी तिर्की, पिंकी कुजूर, सती तिर्की, कुईली उरांव, अनिता उरांव, पार्वती टोप्पो, वृद्धि कुजूर और बुधनी उरांव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कांके में चोरी की कोशिश करते दो चोर पकड़े गए, पूछताछ में तीन और गिरफ्तार

सोने-चांदी के जेवर और चार मोबाइल बरामद

संवाददाता

रांची : कांके थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो आरोपियों को ग्रामीणों ने चोरी का प्रयास करते समय मौके पर पकड़ लिया था। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने पूर्व में की गई चोरी की घटनाओं और अपने अन्य साथियों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से सोना-चांदी जैसा आभूषण, चांदी के सामान, चार मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम बोडेया में चोरी करने के प्रयास के दौरान स्थानीय लोगों ने एक चोर को पकड़ लिया है। सूचना मिलते ही कांके थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की तो उनकी पहचान विवेक तिर्की, पिता दुर्गा तिर्की, निवासी अरसंडे और संजू टोप्पो, पिता सुरेंद्र टोप्पो, निवासी अरसंडे, कांके के रूप में हुई।

पूछताछ में खोले चोरी के राज : पुलिस की पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने क्षेत्र में पूर्व में की गई चोरी की घटनाओं के संबंध में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने अपने अन्य सहयोगियों के नाम और ठिकाने के बारे में भी पुलिस को बताया। आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी कर उनके तीन कथित सहयोगियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में गोरिस तिर्की, पिता स्व. किशोर तिर्की, निवासी पुड़ीटोला, साहिब अंसारी उर्फ बानू, पिता मुस्लिम अंसारी, निवासी बोडेया और नासिर अंसारी उर्फ पप्पू, पिता सगसुल अंसारी, निवासी बोडेया शामिल हैं।

चार मोबाइल और सोने-चांदी के सामान बरामद : पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी से संबंधित कई सामान बरामद किए हैं। बरामद सामान में सोना जैसा कान का बाली तीन पीस, सोना जैसा लॉकेट, सोना जैसा नाक का कील दो पीस, सोना जैसा नथुनी, चांदी जैसी पायल का एक जोड़ा और चांदी की चेन शामिल है। इसके अलावा अलग-अलग कंपनियों के चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं।

बरामद मोबाइल में वीवो, रियलमी, ओप्पो और आईफोन शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से 500 रुपये के 10 नोट, कुल 5,000 रुपये नकद भी बरामद किए हैं।

कांके थाना में दर्ज है मामला : पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के संबंध में कांके थाना कांड संख्या 162/26, दिनांक 25 अगस्त 2026 दर्ज है। मामले में धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने कांके और आसपास के इलाकों में कितनी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है और बरामद सामान किन घटनाओं से संबंधित हैं। पुलिस को उम्मीद है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

एयरटेल के एमएससी से 12 टेलीकॉम कार्ड गायब, तीन तकनीशियनों की गतिविधियां संदिग्ध

रांची : हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र स्थित एयरटेल के मोबाइल स्विचिंग सेंटर (एमएससी) से एक साथ 12 टेलीकॉम कार्ड गायब होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हड़कंप मच गया। कंपनी की ओर से मामले की आंतरिक जांच कराई गई, लेकिन काफी प्रयास के बाद भी गायब हुए कार्ड का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज और सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों की गतिविधियों की जांच की गई।

जांच के दौरान सेंटर में काम करने वाले तीन तकनीशियनों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। हालांकि, कार्ड कैसे और किस परिस्थिति में गायब हुए, इसे लेकर पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एयरटेल झारखंड के नोडल अधिकारी दुर्गेश नंदन सिंह ने हिंदपीढ़ी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, कर्मचारियों की गतिविधियों और कार्ड के रखरखाव से संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा सकती है।

बताया जा रहा है कि मोबाइल स्विचिंग सेंटर दूरसंचार व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। ऐसे में वहां से एक साथ 12 टेलीकॉम कार्ड का गायब होना कंपनी की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। कंपनी की आंतरिक जांच के बाद पुलिस को शिकायत दी गई है, जिसके आधार पर अब पुलिस पूरे मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास करेगी कि गायब हुए कार्ड आखिरी बार कब और किसके पास थे तथा सेंटर में उस दौरान कौन-कौन से कर्मचारी मौजूद थे। संदिग्ध तकनीशियनों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह स्पष्ट करने की कोशिश की जाएगी कि कार्ड गायब होने की घटना में किसी की भूमिका थी या नहीं।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जांच पूरी होने के बाद ही टेलीकॉम कार्ड के गायब होने के पीछे की वास्तविक वजह और जिम्मेदार लोगों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सीयूजे में दो एमबीए विद्यार्थियों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के मनातू परिसर में बजाज फिनसर्व लिमिटेड की ओर से एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट अभियान आयोजित किया गया। इस भर्ती अभियान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कॉरपोरेट संस्थान में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना था।

भर्ती प्रक्रिया के लिए बजाज फिनसर्व की ओर से क्षेत्रीय एवं शाखा स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। इनमें हैदराबाद के क्षेत्रीय मंडल प्रमुख टी. कामराज, जमशेदपुर के क्षेत्रीय प्रमुख सुमीत तिवारी, क्षेत्र प्रमुख श्याम बाबू तथा शाखा प्रमुख मनोज कुमार शामिल थे। कंपनी के अधिकारियों ने विद्यार्थियों की योग्यता और उपयुक्तता के आधार पर भर्ती प्रक्रिया पूरी की। विश्वविद्यालय की ओर से भी विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं अधिकारी भर्ती प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहे। इनमें विद्युत एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष प्रो. देबदास लाटा, धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष प्रो. गजेंद्र प्रसाद सिंह, एमबीए विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. नितेश भाटिया, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. सुमित कुमार, वाणिज्य एवं वित्तीय अध्ययन विभाग के डॉ. प्रणय पाराशर तथा धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग के डॉ अंकित सिंह शामिल थे।

दो एमबीए विद्यार्थियों का चयन : कैंपस प्लेसमेंट अभियान में सीयूजे के एमबीए कार्यक्रम के दो विद्यार्थियों का चयन बजाज फिनसर्व

सरकारी दर पर ग्राहकों को मिलने लगा प्याज

संवाददाता

रांची: खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों से परेशान आम लोगों को राहत देने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ओर से रांची में रियायती दर पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है। बाजार में जहां प्याज करीब 60 से 70 प्रति किलो बिक रहा है।

वहीं एनसीसीएफ आम उपभोक्ताओं को 35 प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध करा रहा है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को बाजार की तुलना में कम कीमत पर प्याज उपलब्ध कराना और बढ़ी हुई खुदरा कीमतों से राहत देना है।

उपभोक्ताओं को बड़ी राहत : रांची में एनसीसीएफ के शाखा प्रबंधक प्रिंस कुमार ने बताया कि सरकारी दर पर प्याज बेचने की शुरूआत 6 सितंबर को की गई है, लेकिन आज 7 सितंबर से इसका दायरा और बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि जब भी प्याज की कीमत अप्रत्याशित रूप से बढ़ती है तो केंद्र सरकार की पहल पर एनसीसीएफ सरकारी दर पर बेचने की प्रक्रिया शुरू करता है।

रांची में किशोरगंज के पास बड़ी संख्या में आम लोग सस्ते दर पर प्याज खरीदते नजर आए। उपभोक्ताओं ने केंद्र सरकार के इस पहल की तारीफ की। रांची में आज एनसीसीएफ की ओर से 10 स्थानों पर मोबाइल वैन के जरिए प्याज की बिक्री की जा रही है।

एक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज : एनसीसीएफ की इस व्यवस्था के तहत एक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज दिया जा रहा है। एक व्यक्ति को 35 प्रति किलो की दर से अधिकतम 2 किलो प्याज मिल सकेगा। मोबाइल वैन के जरिए अलग-अलग इलाकों में बिक्री की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक सस्ती दर पर प्याज पहुंचायी जा सके।

रांची के इन 10 जगहों पर मिल रही है प्याज : आज सरकारी दर पर ब्याज की बिक्री के लिए चुटिया एरिया, कोकर, कुसई कॉलोनी, हिनू चौक, धुर्वा में सेक्टर-1, पंडरा में रवि स्टील के पास, बजरा, जतरा टांड़-पिस्का मोड़, रातू रोड और अपर बाजार में बड़ा तालाब के पास गाड़ी लगाई गई है। यदि आप भी खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ी कीमतों से राहत पाना चाहते हैं, तो इन स्थानों पर पहुंचकर 35 प्रति किलो की दर से प्याज खरीद सकते हैं, हालांकि, एक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

मोबाइल वैन से दूसरे जिलों तक भी पहुंचाने की तैयारी : एनसीसीएफ की ओर से शुरू की गई यह पहल फिलहाल रांची से शुरू हुई है, आने वाले दिनों में मोबाइल वैन के जरिए झारखंड के दूसरे जिलों तक भी इस सुविधा का विस्तार किए जाने की तैयारी है। एनसीसीएफ की कोशिश है कि उपभोक्ताओं को उचित दर पर प्याज उपलब्ध कराया जाए और बाजार में कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिले।

सदर अस्पताल के पास बाइक चोरी गिरोह का खुलासा

छह आरोपी गिरफ्तार, चार मोटरसाइकिल बरामद

संवाददाता

रांची : सदर अस्पताल के आसपास लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। कार्रवाई के दौरान एक अन्य आरोपी को पुराने मामले में भी गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी रांची पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। पुलिस के मुताबिक, सदर अस्पताल और उसके आसपास बाइक चोरी की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के निर्देश पर इलाके में विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान 6 सितंबर 2026 को सदर अस्पताल परिसर में एक संदिग्ध व्यक्ति के मोटरसाइकिल चोरी की फिराक में घूमने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस टीम ने संदिग्ध को पकड़ लिया। पूछताछ में मिली जानकारी और उसकी निशानदेही के आधार पर पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इमरान अंसारी उर्फ, उम्र करीब 24 वर्ष, मो। फैजल, उम्र करीब 21 वर्ष, मोसिन राय, उम्र करीब 26 वर्ष, इमरान आलम उर्फ भालो, उम्र करीब 25 वर्ष, मो। जफरुल्लाह, उम्र करीब 20 वर्ष और सैक अंसारी उर्फ राज, उम्र करीब 22 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

पुराने मामले में भी वांछित आरोपी पकड़ा गया : छापेमारी के दौरान पुलिस ने लोअर बाजार थाना कांड संख्या 139/2021, दिनांक 7 जून 2021 से जुड़े प्राथमिक अभियुक्त शाहिद राय, उम्र 40 वर्ष, को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में धारा 379 भादवि के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर मोटरसाइकिल चोरी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस गिरोह के नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य संदिग्धों तक पहुंचने की कोशिश में लगी है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

छापेमारी अभियान में रातू थाना प्रभारी लव कुमार सिंह के साथ पुलिस पदाधिकारी, तकनीकी टीम और थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

प्रेम प्रतीति के विमोचन पर बोले स्वामी परिपूणार्नंद

सृजन के लिए लेखक को तपना पड़ता है

संवाददाता

रांची : कवि रतनलाल बंका रचित पुस्तक ह्यप्रेम प्रतीतिह्न का विमोचन चिन्मय मिशन के स्वामी परिपूणार्नंद की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर स्वामी परिपूणार्नंद ने कहा कि सृजन के लिए लेखक को तपना पड़ता है। कोई भी रचना लेखक के मन के भावों से जन्म लेती है। उन्होंने कहा कि प्रार्थना ही जीवन को ईश्वर से जोड़ने का सेतु बनती है।

कवि रतनलाल बंका ने कहा कि भक्ति में श्रद्धा का होना आवश्यक है। दिखावा और पाखंड से मनुष्य को सद्गति प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि हमें मिले मानव जीवन को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए और इसे सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए।

समारोह का संचालन वेद प्रकाश बागला ने किया। कार्यक्रम में आरएस अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, विजय सरायका, राजकुमार केडिया, गोवर्धन गाड़ोदिया, सज्जन सराफ, डॉ। ओमप्रकाश प्रणव, विनय सरावगी, सुरेश चंद्र अग्रवाल, विनोद जैन, ललित पोद्दार, पवन पोद्दार, आशीष मोदी, आलोक तुलस्यान, निर्मल बुधिया, मनोज चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रिंग रोड, दलादिली चौक समीप वीर हनुमान एवं मां दुर्गा मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा पंडाल का किया गया भूमि पूजन

संवाददाता

नगड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड, दलादिली चौक समीप अवस्थित वीर हनुमान एवं मां दुर्गा मंदिर परिसर में दलादिली चौक दुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान में दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण को लेकर मंगलवार को विधिवत पूजा अर्चना कर भूमि पूजन किया गया। पूजा उपरांत दुर्गा पूजा पंडाल का निर्माण का कार्य शुरू किया जायेगा। इस अवसर पर कमिटी के अध्यक्ष सुधीर महतो, सचिव अभिषेक मिश्रा ने बताया कि हर साल की भांति इस वर्ष भी कमिटी व क्षेत्र वासियों के सहयोग से दुर्गा पूजा बड़े हीं धूमधाम से मनाया जाएगा। इस बार बहुत हीं भव्य और आकर्षक पंडाल बनाया जाएगा। जिसमें कुशल कारीगरों के द्वारा दुर्गा मां की प्रतिमा का निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। तथा विद्युत सज्जा भी काफी भव्य और आकर्षक होगी। दुर्गा पूजा में सप्तमी से लेकर दसवीं तक बुंदिया, खीर हलवा तथा खिचड़ी आदि का भोग का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर दलादिली दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सुधीर महतो, सचिव अभिषेक मिश्रा के साथ कोषाध्यक्ष अजय राय, सह कोषाध्यक्ष रामाशीष शर्मा, अशोक दुबे, सह सचिव बिरसू मुंडा,मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, रामभरोस महतो, उपाध्यक्ष प्रदीप कुजूर, रितेश सिंह, बालू भगत सहित कई अन्य कमिटी के सदस्य शामिल रहे।

शारदीय नवरात्र में प्राचीन श्रीराम मंदिर चुटिया में होगा रामायण नवाह्न महायज्ञ

संवाददाता

रांची : प्राचीन श्रीराम मंदिर, चुटिया परिसर में हनुमान दल सत्संग सभा की बैठक हुई। इस दौरान शारदीय नवरात्र पर रामायण नवाह्न महायज्ञ एवं दुर्गा पूजा आयोजित करने का निर्णय लिया गया। महायज्ञ का शुभारंभ 11 अक्टूबर 2026 से होगा और यह 10 दिनों तक चलेगा।

आयोजन के दौरान प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरूआत 11 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे कलश स्थापना, नवग्रह पूजन, ध्वजारोहण एवं प्रथम स्वरूप माता शैलपुत्री के पूजन और पुष्पांजलि के साथ होगी।

इसके बाद प्रातः 9 बजे से शाम 4 बजे तक कुंवारी कन्याओं द्वारा सस्वर रामायण पाठ किया जाएगा। साथ ही व्यास सत्यनारायण स्वामी जी महाराज एवं बंगाल से आए भजन मंडली द्वारा भजन-कीर्तन की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ नई पीढ़ी में संस्कार, संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

आयोजन की तैयारियों में जुटे सदस्य : महायज्ञ को सफल बनाने के लिए हनुमान दल सत्संग सभा के पदाधिकारी एवं सदस्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन में अध्यक्ष विजय साहू, उपाध्यक्ष विजय तिर्की, कार्यकारी अध्यक्ष उमंग साहू, सचिव हरिशंकर शर्मा, नीरज कुमार, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार, संकेत कुमार, सह-सचिव अनीश राज, सक्षम, ऋषि, गोलू साहू, राहुल, आयुष, संकेत एवं विकास साहू सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वहीं संरक्षक नरेश साहू, रामकुमार, प्राण किशोर सिंह, राकेश साहू एवं विजय राम तथा सदस्य अजय ठाकुर, आदित्य मोहन, नीलकंठ एवं आदित्य श्रीवास्तव सहित अन्य श्रद्धालु भी आयोजन की तैयारियों में सहयोग कर रहे हैं।

जया एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ा भक्तों का सैलाब

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की जया एकादशी पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों और भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ।

प्रातः 5 बजे मंदिर के पट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालुओं ने बाबा श्री श्याम के दर्शन किए। सुबह 5:30 बजे मंगला आरती संपन्न हुई। इसके बाद मंदिर के पर्दे लगाकर बाबा श्री श्याम का आकर्षक प्रातःकालीन शृंगार किया गया। श्रद्धालु अपने आराध्य देव के समक्ष अर्जी लगाने के लिए कतार में खड़े रहे।

रात में हुआ भजन-कीर्तन

एकादशी का मुख्य कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे शुरू हुआ। मंडल के कार्यकारिणी सदस्य अनिल नारनौली ने अपने परिवार के साथ बाबा श्री श्याम की अखंड ज्योति प्रज्वलित की और केसरिया पेड़ा, रबड़ी, मगही पान एवं फल का भोग अर्पित किया।

इस अवसर पर रबड़ी प्रसाद की सेवा अन्नपूर्णा सरावगी, गिरीगोला सेवा मनीष साहू, केसरिया पेड़ा सेवा डॉ एसएन लाल, फल सेवा एक श्याम भक्त, मगही पान सेवा सुभाष पोद्दार, रौनक पोद्दार एवं मुकेश बरनवाल तथा पंचमेवा सेवा प्रशांत कुमार ने निवेदित की। नवीन पोशाक एवं बागा की सेवा अंकुर कुमार और अंजली मुंजाल द्वारा की गई।

मंडल के उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया ने गणेश वंदना के साथ भजन संकीर्तन का शुभारंभ किया। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा ने गुरुजी एवं हनुमान जी की वंदना प्रस्तुत की। साकेत ढांढनिया ने भगवान शंकर का भजन, प्रवीण अग्रवाल ने रानी सती दादी की वंदना, अनुज मोदी एवं निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बाबा श्याम की वंदना प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। देर रात आरती के साथ एकादशी संकीर्तन कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, मंत्री विष्णु चौधरी एवं पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा, अनिल नारनौली, राजेश ढांढनिया, दिनेश अग्रवाल, कृष्ण शर्मा, यश सुरेका, प्रकाश सरावगी, अंकित सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

अजा एकादशी पर श्री श्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रांची : अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में सोमवार को अजा एकादशी महापर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में दिनभर भक्तिमय वातावरण बना रहा और बाबा श्री श्याम के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रातः बाबा श्री श्याम को नवीन वस्त्र (बागा) धारण कराया गया। इसके बाद उन्हें स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर गुलाब, जूही, बेला, मोगरा एवं रजनीगंधा के फूलों की मालाओं से मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी विशेष शृंगार किया गया।

एकादशी के पावन अवसर पर सुबह से ही बाबा श्री श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा के दर्शन किए और अपनी मनोकामनाओं के साथ पूजा-अर्चना की।

भजन-कीर्तन में झूमे श्रद्धालु : रात्रि 9 बजे बाबा श्री श्याम की पावन ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर ज्योत में आहुति प्रदान की। श्री श्याम मंडल के सदस्यों ने गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन का शुभारंभ किया।

भूमिहीन परिवारों को 4 डिसमिल जमीन दे सरकार : विजय शंकर नायक

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने राज्य सरकार से सभी भूमिहीन एवं आवासविहीन परिवारों को कम से कम 4 डिसमिल आवासीय भूमि उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि एसटी, एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्राथमिकता देते हुए इसके लिए समयबद्ध नीति बनाई जानी चाहिए।

नायक ने कहा कि सरकार पंचायत एवं वार्ड स्तर पर सर्वे कर पात्र परिवारों की सूची तैयार करे और उपलब्ध सरकारी भूमि का पारदर्शी तरीके से आवंटन करे। लाभुकों को भूमि का कानूनी पट्टा देने के साथ उन्हें आवास योजनाओं से भी जोड़ा जाए।

उन्होंने कहा कि भूमिहीन परिवारों को जमीन का अधिकार देना सामाजिक न्याय, सम्मान और सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से जल्द ह्लभूमिहीन एवं आवासविहीन परिवार आवासीय भूमि अधिकार योजनाह्व लागू करने की मांग की।

एसआईआर की समस्याओं पर मंथन, अंजुमन प्लाजा में आज खुलेगा केंद्रीय समाधान कमिटी का कार्यालय

संवाददाता

303

रांची(गुलाम शाहिद) एसआई आरसे जुड़ी समस्याओं के समाधान को लेकर मेन रोड स्थित अंजुमन प्लाजा परिसर में केंद्रीय रक्फ़ समाधान कमिटी की अहम बैठक हुई। कमिटी के अध्यक्ष जनाब मुमताज अहमद खान की अध्यक्षता में हुई बैठक में रांची के विभिन्न एदारों, अधिवक्ताओं, तंजीमों, पंचायतों के प्रमुख प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकताओं और शहर के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

बैठक में रांची के अलग-अलग क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने रक्फ़ के दौरान आम लोगों को हो रही परेशानियों और सामने आ रही समस्याओं से अवगत कराया। वक्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र की स्थिति रखते हुए कहा कि रक्फ़को लेकर लोगों में कई तरह की शंकाएं और व्यावहारिक परेशानियां सामने आ रही हैं। बैठक में इन समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक स्तर पर पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आम जनता की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय रक्फ़ समाधान कमिटी हरसंभव तरीके से लोगों की सहायता और समस्याओं के समाधान के लिए पहल करेगी। इसके लिए विधिवत रूप से मंगलवार, 8 सितंबर 2026 को शाम 6:30 बजे मेन रोड स्थित अंजुमन प्लाजा, रांची में केंद्रीय रक्फ़समाधान कमिटी के कार्यालय का उद्घाटन किया जाएगा।बैठक में कहा गया कि कार्यालय के माध्यम से रक्फ़ से संबंधित समस्याओं को संकलित कर उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी। कमिटी ने आम लोगों से भी अपनी समस्याओं और शिकायतों को सामने लाने की अपील की है।

बैठक में मो। अबरार एवं मो। फैजी, मुफ्ती तलहा नदवी, मो। इसलाम, मो इस्लाम इदरीसी, मो नसीम गद्दी पप्पू , मो रिजवान , मो मेराज गद्दी, एस अली, मो तनवीर, वहाब दानिश , मो जावेद, अकबर नूर, मोमहफूज आलम , अशफाक बब्लू , गुफरान खान एडवोकेट, सुल्तान खान एडवोकेट, आरिफ इमाम एडवोकेट, शाहिद हुसैन एडवोकेट, मो। इमाम एडवोकेट, मोइन खान एडवोकेट, मो अफरोज एडवोकेट, मो। फैयाज एडवोकेट , मो। खुर्शीद एडवोकेट, मो इमरान एडवोकेट सहित अनेक गणमान्य लोग मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर सीयूजे में शोकसभा, कुलपति ने दी श्रद्धांजलि

रांची : नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेल एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में सोमवार को शोकसभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की द्वितीय मंजिल पर आयोजित शोकसभा में कुलपति प्रो। सारंग मेढ़ेकर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, गैर-शिक्षण कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर कुलपति प्रो। सारंग मेढ़ेकर ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का असामयिक निधन अत्यंत दुखद और झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि श्री सोनू ने जनसेवा और राज्य के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके निधन से राज्य ने एक युवा, सक्रिय और समर्पित जनप्रतिनिधि खो दिया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक-संतप्त परिवार को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोकसभा में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने कहा कि श्री सोनू का निधन राज्य के राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के लिए भी बड़ी क्षति है। उनके योगदान और जनसेवा के प्रति समर्पण को सदैव याद किया जाएगा। अंत में सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

रिम्स में सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत 24 घंटे त्वरित प्रतिक्रिया दल का होगा गठन

रांची : मरीजों एवं उनके परिजनों के साथ झड़प तथा अस्पताल परिसर में सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रिम्स के निदेशक प्रो. डॉ. डीके सिन्हा ने की। इसमें चिकित्सा अधीक्षक, अपर चिकित्सा अधीक्षक, संपदा पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, डीएमएस सहित गृह रक्षक, विशेष सहायक पुलिस और झारखंड सशस्त्र पुलिस के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में अस्पताल के संवेदनशील एवं अति महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। निदेशक ने निर्देश दिया कि आघात केंद्र, औषधि विभाग, शल्य चिकित्सा विभाग, गहन चिकित्सा इकाई और अति विशिष्ट चिकित्सा खंड सहित प्रमुख संवेदनशील क्षेत्रों में तीन पालियों में पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाए। अस्पताल के विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अलग-अलग खंडों में बांटकर प्रत्येक खंड के लिए एक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। बैठक में 24 घंटे त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित करने का निर्णय लिया गया, जो किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचेगा। सुरक्षा कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए बेतार संचार प्रणाली शुरू की जाएगी। साथ ही सुरक्षा कर्मियों की नियमित परेड और ब्रीफिंग कराई जाएगी तथा प्रत्येक रविवार को विशेष परेड आयोजित होगी। सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और ड्यूटी की पारदर्शी निगरानी के लिए डिजिटल सूचना पट्ट पर ड्यूटी सूची प्रदर्शित की जाएगी। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा और निगरानी भी की जाएगी। बैठक में जूनियर डॉक्टर संघ के पदाधिकारियों ने अपनी समस्याएं और विभिन्न मुद्दे निदेशक के समक्ष रखे। निदेशक ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

जानलेवा हॉस्टल

दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना में मरने वाले छात्रों की संख्या सोमवार को सात घोषित की गई। अभी कुछ और छात्रों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कुंभकरणी नींद में सोई हुई राज्य सरकार अब जागी है। राजस्थान पहुंचकर पुलिस ने फरार हॉस्टल मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार दिखाया है। उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या, भवन के रखरखाव में लापरवाही बरतने और दूसरों की सुरक्षा खतरे में डालने के आरोप दर्ज किए गए हैं। वहीं दिल्ली की मुख्यमंत्री के निर्देश पर पांच अधिकारियों को निलंबित किया गया है। निलंबित किए गए अधिकारियों में दिल्ली नगर निगम के दक्षिण जोन के उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता,सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता शामिल हैं। इतना ही नहीं, सरकार ने रविवार रात हुई घटना की मजिस्ट्रेटी जांच करने के भी आदेश दिए हैं। सवाल उठता है कि किसी जानलेवा हादसे के बाद ही ऐसी कार्रवाई करने की जरूरत क्यों पड़ती है? क्यों पहले ही बेगुनाह लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाले भवनों की जांच करके मालिकों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की जाती? उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिनका दायित्व रिहाइशी भवनों व्यावसायिक भवनों में बदलने की जांच करना होता है? इस मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है, जो उसने इस मुद्दे पर दायर जनहित याचिका पर सोमवार की सुनवाई के दौरान की। दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस हादसे के लिये सिर्फ भवन मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विश्वविद्यालय भी जिम्मेदार है। विश्वविद्यालय अन्य राज्यों से आने वाले छात्रों के लिये रहने के लिये जरूरी सुविधा देने में विफल रहा है। जिसके कारण छात्रों को निजी पेइंग गेस्ट यानी पीजी में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने संबंधित विभागों को दस दिनों के भीतर याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा है। यह दुखदायक ही कहा जाएगा कि दिल्ली में पालम, विवेक विहार, साकेत, मालवीय नगर के बाद अब सत्य निकेतन का दुखद हादसा सामने आया है। यह दुखद ही है कि दिल्ली में लगातार हो रहे हादसों की लिस्ट लगातार लंबी होती जा रही है। इन सभी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं में एक बात समान है झबेगुनाहों की मौत और असुरक्षित इमारतें, बिना मंजूरी के बदलाव, रिहायशी प्रॉपर्टी का व्यावसायिक इस्तेमाल और सबसे चिंताजनक नियम-कानून लागू करने में तंत्र की नाकामी। यह विडंबना ही है कि समाज में लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर पैसा कमाने की हवस इस हद तक बढ़ गई है कि वे किसी के जीवन व मृत्यु की भी परवाह नहीं करते। दूरदराज के राज्यों से अपने सुनहरे सपने लेकर दिल्ली आने वाले छात्र मजबूरी में मुंहमांगे दाम देकर अमानवीय स्थिति वाले पीजी में रहने को मजबूर हो जाते हैं। जब जर्जर इमारतों की स्थिति को नजरअंदाज करके चलताऊ निर्माण कार्य कराये जाते हैं तो हादसे का होना तय हो जाता है। हादसे का शिकार हुई सत्य निकेतन बिल्डिंग के लिये ग्राउंड फ्लोर और पहली मंजिल बनाने की अनुमति मिली थी। लेकिन नये प्लान की मंजूरी लिए बिना इसे पांच मंजिला बना दिया गया। क्या किसी एमसीडी के अधिकारी की नजर इस अवैध निर्माण पर नहीं गई होगी? जब दशकों पुरानी यह इमारत जमींदोज हुई तो तब कथित तौर पर इसमें अवैध रूप से रेनोवेशन का काम चल रहा था। देश की राजधानी में नियामक कानूनों या बिल्डिंग कोड की कमी नहीं है। सही मायने में कमी है तो बस उनके ईमानदारी से लागू करने की। सुरक्षित दिल्ली के लिये एक रोडमैप बनाने की जरूरत है। जिसमें पुरानी और ढांचागत रूप से बदली गई इमारतों का वार्ड के हिसाब से ऑडिट करने, खतरनाक इमारतों के मालिकों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने, बिल्डिंग की मंजूरी का पारदर्शी रिकॉर्ड रखने और नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों और मालिकों के लिये सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए। ट्रिपल इंजन सरकार वाली दिल्ली में यदि ऐसी त्रासदियां आम हो जाएं तो यह विडंबना ही है। कोशिश हो कि प्राथमिकता ऐसे हादसों को रोकना हो, न कि घटना के बाद प्रतिक्रिया देने का प्रपंच।

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं। इसे दिशा देने में देश की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थाओं आईआईटी व आईआईएम की बड़ी भूमिका हो सकती थी।

किराये के मकान में जीवन की कीमत कम

> बच्चों के न रहने की सूचनाए हर किसी को झकझोर रही है। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्ज्वल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा प्राप्त करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान ले लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है।

डॉ.रमेश ठाकुर

मानवीय हिमाकत के चलते दिल्ली में और एक दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं। मां बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकूमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के न रहने की सूचनाए हर किसी को झकझोर रही है। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्ज्वल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा प्राप्त करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान ले लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है।

राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर के कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना की याद आते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इस तरह के हर हादसे पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है। जब तक मीडिया में घटना की चर्चा होती है, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता है। शोर जैसे ही शांत होगा, जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएगी।

जमींदोज हुई इस बिल्डिंग में ज्यादातर युवा विश्व विद्यालय में पढ़ते थे या सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराये पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था, जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर द्यइंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेसह्न ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया गया कि 85 फीसदी पीजी रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमत ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया। आरोप है कि दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खायी। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है, जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल वजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई। हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंग्स का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं।

शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां न कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है। हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन न मालिक ने गौर किया और न ही अधिकारियों ने, आखिर क्यों? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का ऊपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी-बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जान चली गई है। कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निःसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

रोजगार का विकेंद्रीकरण समस्या का बड़ा हल

> सब एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हुए आराम की जिंदगी जीते थे। कोई बेरोजगार नहीं था। यह व्यवस्था एक-दूसरे के सम्मान और स्वावलंबन की सोच पर आधारित थी। बाकी बारीकियां जो भी रही हों हमें तो केवल यह देखना है कि देश कृषि के अलावा उत्पादक दस्तकारी पर ज्यादा निर्भर था।

कुलभूषण उपमन्यु

भारतीय समाज को आमतौर पर कृषि प्रधान देश के रूप में परिभाषित किया जाता है, किंतु यह अर्धसत्य निष्कर्ष है। असल में भारतीय समाज का बहुसंख्यक भाग दस्तकार रहा है और वह कृषकों की जरूरतें पूरा करते हुए खाद्य पदार्थ सुरक्षा अपनी मेहनत के बदले में प्राप्त करता था। लुहार, बढ़ई, तेली, जुलाहा, चर्मकार, बांसोर, नाई, धोबी, पत्थर की मूर्तियां बनाने और चिनाई का काम करने वाले, कच्ची ईंट बनाने वाले, घुमंतू, पशुपालक, भेड़ों की ऊन निकालने वाले, बाण बटाई का काम करने वाले, रंगाई-छपाई करने वाले, वूट्स स्टील बनाने वाले और एक-एक पेशे से जुड़े हुए सहयोगी व्यवसाय करने वाले अनेक लोग रहते थे। सब एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हुए आराम की जिंदगी जीते थे। कोई बेरोजगार नहीं था। यह व्यवस्था एक-दूसरे के सम्मान और स्वावलंबन की सोच पर आधारित थी। बाकी बारीकियां जो भी रही हों हमें तो केवल यह देखना है कि देश कृषि के अलावा उत्पादक दस्तकारी पर ज्यादा निर्भर था।

औद्योगिक क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ने भारत की उत्पादक व्यवस्था को नष्ट करने का बीड़ा उठाया ताकि वह अपने देश के उद्योगों में बने उत्पादों को भारत में बेच सके। क्योंकि यहां के उत्पाद गुणवत्ता पूर्ण थे इसलिए उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद से यह कार्य करने के रास्ते अपनाए। कहीं समाज में व्याप्त छोटे मोटे मतभेदों को हवा देकर, तो कहीं बुनकरों के हाथ के अंगूठे काट कर सीधी कार्रवाई करके, कहीं दस्तकारों को कच्चे माल की उपलब्धता को नियंत्रित करके स्वावलंबी अर्थव्यवस्था को तोड़ने का काम किया गया। इसी के चलते ज्यादातर दस्तकारी से बेदखल हुए लोगों को कृषि का रास्ता पकड़ना पड़ा। उसमें भी स्थायी बंदोबस्त करके जागीरदारी प्रथा को कायम किया, जिससे बहुत से दस्तकारों को जागीरदारों के मजदूर काश्तकार के रूप में जीवन यापन करना पड़ा, जिससे पैदा विसंगतियां और सामाजिक टूटन आज दिन तक देश के सामने अनेक प्रत्यक्ष और परोक्ष समस्याएं खड़ी करती रहती है।

अब जबकि देश की आबादी भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है तो इस औद्योगिक विस्तार के मॉडल से दस्तकार समाज की खोई हुई रोजी की भरपाई कैसे हो सकेगी, यह प्रश्न लगातार चिंता को बढ़ाता ही जा रहा है। पढ़े- लिखे बच्चे पुरानी दस्तकारी तकनीकों को अपना कर वर्तमान विकसित तकनीक वाले उद्योगों से टक्कर नहीं ले सकते हैं। वर्तमान औद्योगिक मॉडल में रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत सीमित है और स्वचालित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उपायों से कामगारों की जरूरत को लगातार घटाया जा रहा है। ऐसे में खेती में भी सबको रोजगार प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि अधिकांश जोतें इतनी छोटी हो चुकी हैं कि उन पर पूरे परिवार का पालन संभव ही नहीं है।

पर्वतीय क्षेत्रों में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां 80 प्रतिशत जोतें एक हेक्टेयर से भी छोटी हैं, जिनमें आधी तो 2-3 बीघा मात्र ही हैं। इतनी कम जमीन पर आदमी सम्मान पूर्वक घर बार तो बसा सकता है। इतनी जमीन तो होनी ही चाहिए, किंतु सम्मानजनक आय खड़ी नहीं कर सकता। सरकारी नौकरी तो मात्र दो तीन प्रतिशत लोगों को ही स्थापित कर सकती है, तो वर्तमान सरकारी और निजी उद्योगों की नौकरी जिसमें आईटी क्षेत्र भी शामिल है, कृषि, पशुपालन की वर्तमान स्थिति के बाबजूद भी जो बेरोजगारों की बड़ी संख्या इंतजार में खड़ी है और हर साल बढ़ती जा रही है। उनके लिए जवाब ढूंढने की जरूरत है। लोग नौकरी के इंतजार में आयु सीमा पार कर जाते हैं फिर हताश हो कर जीवन जीने को बाध्य होते हैं। ये परिस्थितियां देश के लिए सही नहीं हैं। सरकारें कोशिश करने के तमाम दावों के बावजूद जरूरत का दस प्रतिशत भी रोजगार खड़ा नहीं कर पा रही हैं।देश की अर्थव्यवस्था तो आगे बढ़ रही है, किंतु उस अनुपात में रोजगार नहीं बढ़ रहे। हिमाचल प्रदेश का उदाहरण लें तो बेरोजगारों की संख्या 6 लाख 32 हजार है, (31मार्च 2025 तक) जबकि बहुत से लोग रोजगार कार्यालय में पंजीकरण को फिजूल मान कर पंजीकरण ही नहीं करवा रहे हैं। इसका अर्थ हुआ कि असली आंकड़ा और भी ज्यादा होगा। हिमाचल में पिछले तीन साल में सरकारी नौकरी 23 हजार 200 लोगों को दी गई। निजी क्षेत्र में 51 हजार को इस अवधि में नौकरी मिली। अतः प्रतिवर्ष 24 हजार 733 लोगों को नौकरी मिली, तो इस दर से 6 लाख 32 हजार लोगों को नौकरी मिलने में 25 वर्षों से ज्यादा लगेगा। तब तक और कितने बेरोजगार और इसमें जुड़ जाएंगे। यानी यह अनंत इंतजार का खेल है। धन्य हैं, हमारे राजनेता, जो इतनी साफ तस्वीर होने के बावजूद लोगों को पीछे लगाए रखते हैं और सच नहीं बोलते। जो बोलेगा वह जाएगा। यानी हम आम नागरिक भी सच सुनना ही नहीं चाहते। न योजना बनाने वाला और न लाभार्थी जब दोनों ही सच सुनने को तैयार नहीं तो समस्या का समाधान कैसे निकलेगा। सभी जब सफेद कॉलर जॉब ढूंढेंगे तो कैसे संभव होगा। तीन अंगुली से कागज तो लिखे जाते हैं लेकिन जरूरत की वस्तुएं पैदा नहीं हो सकती। हम सोचते हैं कि मशीनीकरण से संभव होगा, किन्तु मशीनीकरण ने ही तो रोजगार छीने हैं। 100 छीन कर 10 पैदा किए हैं तो 90 प्रतिशत का घाटा कैसे पूरा होगा।

हम यूरोप और अमेरिका की ओर समाधान के लिए देखने लगते हैं, किंतु हमें याद रखना चाहिए कि इन देशों ने उपनिवेशवादी दौर में विकासशील देशों की जो लूट की थी यह उसी के ऊपर खड़ी इमारत है। उतनी बुनियादी पूंजी हमें कहां से मिलेगी। फिर आज कल चीन का उदाहरण देने और उससे सीखने की बहुत बात होती है, किंतु हम कभी चीन नहीं बन सकते। चीन साम्यवादी सरकार चलाने वाला घोर पूंजीपति देश बन चुका है। भले ही उसके प्रत्यक्ष और परोक्ष चाहने वाले उसे इस रूप में देखने का साहस नहीं कर पाते किंतु सच्चाई तो यही है। चीन ने 1978 में ही आर्थिक उदारीकरण की राह पकड़ ली थी जबकि भारत में उदारीकरण 1991 में शुरू हो सका। तब तक चीन, अमेरिका के स्वार्थों का लाभ उठा कर अमेरिका की ही सहायता से दुनिया का उत्पादन केंद्र बन गया। अब तो अमेरिका भी अपनी चीन संबंधी नीति को गलत मान रहा है, क्योंकि वह अमेरिका का ही प्रतिस्पर्धी बन गया है। हर देश अपनी शक्ति और सामयिक हालात को देख कर बनाई योजना और रणनीति से ही आगे बढ़ सकता है। इसलिए हमें किसी की घटिया नकल बनने की जरूरत नहीं है, बल्कि अपनी शक्ति और सीमाओं को देख कर समाधान ढूंढने चाहिए, लेकिन इतना तो तय है कि हमें वर्तमान औद्योगिक नीति को ज्यादा से ज्यादा विकेंद्रित ही नहीं करना होगा बल्कि कुटीर और अति लघु उत्पादन की इकाइयों को मुख्य धारा उत्पादन पद्धति बनाना होगा, जिससे ही अधिक से अधिक लोगों को रोजगार पैदा करके दिया जा सकता है।

मैहर के गोला मठ मंदिर का रहस्य, एक ही रात में भगवान विश्वकर्मा ने किया था निर्माण

भ मध्य प्रदेश के मैहर जिले में स्थित गोला मठ मंदिर महादेव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर अपनी अनोखी वास्तुकला के अलावा एक मंदिर एक पौराणिक मान्यता भी है। इस कारण से यह मंदिर भक्तों के बीच विशेष महत्व रखता है। वहीं सावन के महीने में और महाशिवरात्रि के मौके भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। वहीं सावन में दूर-दूर से श्रद्धालू भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर आते हैं। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की अनोखी खासियत के बारे में...

जानें भगवान विश्वकर्मा से जुड़ी मान्यता

गोला मठ मंदिर के निर्माण को लेकर स्थानीय मान्यता है कि देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा ने इस मंदिर का निर्माण सिर्फ एक रात में किया था। शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा ने अपनी दिव्य शिल्पकला से रातों-रात मंदिर को तैयार कर दिया था।

अनूठी है वास्तुकला

गोला मठ मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यहां के पत्थरों पर मिलने वाली संरचनाएं हैं। मंदिर के पत्थरों को बेहद खूबसूरती के साथ तराशा गया है। मंदिर की बनावट को देखकर किसी को भी इस बात पर विश्वास नहीं होगा कि इसको एक रात में बनाया गया है। स्थानीय मान्यताओं में यह कहा जाता है कि मंदिर के निर्माण में पत्थरों को ऐसे जोड़ा गया है कि यह मंदिर दिखने में असाधारण लगता है।

सावन में होती है भीड़

महादेव को समर्पित होने की वजह से सावन का महीना गोला मठ मंदिर के लिए खास महत्व रखता है। सावन के हर सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं। भक्त कतारों में लगकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करते हैं और शिवलिंग पर जल चढ़ाकर जलाभिषेक करते हैं।

प्राचीन है गोला मठ का शिवलिंग

इस मंदिर के गर्भगृह में जो शिवलिंग है, वह काफी ज्यादा प्राचीन है। इसका जिक्र कहीं भी नहीं मिलता है कि यह शिवलिंग कैसे अवतरित हुआ। वहीं गर्भगृह के बाहर निकलते ही ठीक प्रवेश द्वार पर पत्थर के नंदी विराजमान हैं, उनकी भी मूर्ति काफी प्राचीन दिखती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

बाढ़ प्रभावित छात्रों के बीच प्रशासन की संवेदनशील पहल

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में बाढ़ की चुनौतीपूर्ण स्थिति के बीच जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत सहायता कार्य लगातार संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में साहिबगंज महाविद्यालय परिसर स्थित आदिवासी कल्याण छात्रावास अंबेडकर कल्याण छात्रावास एवं अनुसूचित जनजाति छात्रावास में रह रहे छात्रों के बीच आज अंचल अधिकारी, साहिबगंज श्री बासुकीनाथ टुडू द्वारा खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। छात्रावास में रह रहे छात्रों को आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराते हुए प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग एवं सहायता का भरोसा दिलाया गया। बाढ़ की विषम परिस्थितियों में छात्रों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए प्रशासन द्वारा राहत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।मौके पर अंचल निरीक्षक विकास कुमार बास्की, साहिबगंज महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रंजीत कुमार सिंह सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नगर परिषद ने कराया ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नाले की सफाई

साहिबगंज : बाढ़ प्रभावित इलाकों में साफ-सफाई एवं संक्रमण से बचाव को लेकर नगर परिषद की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है।इस संबंध मे नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि नगर परिषद कर्मियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया गया।इसके साथ ही रसूलपुर डाला,मैंड्रेन क्षेत्र में जलनिकासी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से नाले की सफाई कराई गई।नाले में जमा गंदगी,कचरा एवं गाद को हटाकर पानी की निकासी सुचारू करने का प्रयास किया गया।वही नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने बताया गया कि नगर परिषद की ओर से बाढ़ के बाद जलजमाव एवं गंदगी के कारण संक्रमण फैलने की आशंका रहती है।इसे देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई,ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव तथा नालियों की सफाई का कार्य लगातार कराया जा रहा है।उन्होंने बताया कि नगर परिषद के इस अभियान से स्थानीय लोगों को राहत मिलने की

उम्मीद है।लोगों ने भी साफ-सफाई व्यवस्था को नियमित रूप से जारी रखने की मांग की है।मौके पर शिव हरीआयुष कुमार,रंजीत हरी,कालिया हरी,रंजन,अजय हरी,दिलीप सुपर,सुरेश डोम,अनिल हरी,सेलन्दर हरी,बिरजू हरी,संतोष हरी,धर्म हरी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 9 मरीजों का सफल आपरेशन

बरही : अनुमंडलीय अस्पताल में 9 मरीजों का सफल आपरेशन बरही अनुमंडलीय अस्पताल में 9 मरीजों का सफल आपरेशनबरही अनुमंडलीय अस्पताल में 9 मरीजों का सफल आपरेशनबरही प्रतिनिधि। बरही अनुमंडलीय अस्पताल में सोमवार को विभिन्न रोगो से पीड़ित 9 मरीजों का आपरेशन किया गया। अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रकाश ज्ञानी ने बताया कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। सोमवार को हाथ और पैर के हड्डी से संबंधित पांच मेजर ऑपरेशन किया गया। इसके साथ ही पाइल्स और हर्निया के रोगियों का आपरेशन कर इलाज किया गया। रोगियों को इलाज के दौरान ऑपरेशन डॉ मयंक प्रताप, डॉ रोशन कुमार और डॉ सचिन कुमार की टीम ने किया।आपरेशन में डॉक्टरो को सहयोग ओटी स्टाफ सविता कुजूर, विक्रम कुमार, विकास कुमार, कुलदीप कुमार और मणिकार्जुन ने की।

बाढ़ प्रभावित गदाई सितारा क्षेत्र में पशुओं के लिए चारा का वितरण

साहिबगंज : बाढ़ की विषम परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों एवं उनके पशुधन की सुरक्षा और आवश्यक जरूरतों की पूर्ति को लेकर जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता तत्परता के साथ राहत कार्यों में जुटा है।इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो द्वारा बाढ़ प्रभावित गदाई सितारा क्षेत्र का दौरा कर पशुपालकों के बीच पशुओं के लिए चारा का वितरण किया गया। जबकि उन्होंने पशुपालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली और उन्हें हरसंभव प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन के लिए चारा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन का संकल्प है कि बाढ़ की इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में कोई परिवार और उसका पशुधन सहायता से वंचित न रहे। राहत एवं बचाव कार्यों के साथ-साथ पशुधन की देखभाल को भी प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सहायता लगातार उपलब्ध कराई जा रही है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर भाजपा साहिबगंज की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज :भाजपा साहिबगंज जिला अध्यक्ष गौतम यादव की अध्यक्षता में उत्सव हॉल में सेवा संकल्प अभियान को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश के प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे।कार्यशाला में मुख्य रूप से पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा,प्रदेश मंत्री कृष्णा महतो,जिला प्रभारी अमृत पांडेय,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश प्रसाद तिवारी,कृपानाथ मंडल एवं धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला प्रभारी द्वारा संगठन की आगामी कार्ययोजना तथा सेवा संकल्प अभियान के उद्देश्यों और कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक

जानकारी दी गई।इस अवसर पर पूर्व विधायक अनंत ओझा की 25 वर्षों की जनसेवा यात्रा पर आधारित 14 प्रकार की ढढळ प्रस्तुतियों के माध्यम से उनके सार्वजनिक जीवन,सेवा कार्यों एवं संगठनात्मक योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया।पूर्व विधायक अनंत ओझा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सेवा,सुशासन एवं जनकल्याण को समर्पित 25 वर्षों की यात्रा पर प्रकाश डाला।उन्होंने कार्यकताओं से सेवा और जनकल्याण के संकल्प के साथ सेवा संकल्प अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा अभियान को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने के लिए सभी कार्यकताओं से सक्रिय एवं समर्पित भूमिका निभाने की अपील की।कार्यशाला में जिला टोली,मंडल टोली,सभी 17 मंडलों के मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारी तथा अभियान के सभी संयोजकगण उपस्थित रहे।बैठक में अभियान की रूपरेखा,संगठनात्मक जिम्मेदारियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।कार्यक्रम का मंच संचालन भाजपा जिला महामंत्री धनंजय कुमार मंडल ने किया।वहीं जिला महामंत्री सालखू सोरेन ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों,जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।कार्यशाला में कार्यकताओं में सेवा संकल्प अभियान को लेकर उत्साह,ऊर्जा और प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

प्राथमिक विद्यालय चैती दुर्गा में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

साहिबगंज : झारखण्ड के नगर विकास एवं उच्च शिक्षा मंत्री स्वर्गीय सुदीप्य कुमार सोनू के असमायिक निधन के बाद झारखण्ड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के राज्य और ज़िला कमेटी साहिबगंज के द्वारा संयुक्त रूप से प्राथमिक विद्यालय चैती दुर्गा में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।जहाँ सभी शिक्षकों ने स्वर्गीय सुदीप्य सोनू के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया।वही श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी ने कहा कि स्वर्गीय सुदीप्य कुमार सोनू के द्वारा पारा शिक्षक संप्रति सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली बनाने से लेकर इसे कैबिनेट से पारित करवाने में अहम भूमिका निभाए थे।इसके अलावा सहायक अध्यापकों को सामान्य भविष्य निधि का लाभ दिलवाने में भी सोनू की काफी अहम भूमिका थी?।विगत 29 अप्रैल को झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा एवं नगर विकास मंत्री सुदीप्य कुमार सोनू,स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह के बीच वार्ता के बाद आमरण अनशन को समाप्त करवाते हुए सहायक अध्यापकों की समस्या को लेकर अगली बैठक जल्द करवाने का आश्वासन दिया गया था।विगत

3 सितंबर 2026 को भी मंत्री सुदीप्य सोनू के साथ दूरभाष पर वार्ता हुई थी उन्होंने कहा था कि मैं अभी झारखण्ड से बाहर हूँ,बहुत जल्द सभी सहायक अध्यापकों की समस्या को लेकर बैठक होंगी।वही ज़िला अध्यक्ष अशोक कुमार साह,ज़िला सचिव चंदन सिंह ने कहा कि स्वर्गीय सोनू के असमायिक निधन के बाद जहाँ एक ओर झारखण्ड के राजनीतिक जगत में एक शून्य की दुखद स्थिति आई है वही सहायक अध्यापकों संगठन एवं सरकार के बीच वार्ता करवाने वाले एक प्रभावशाली शख्सियत की भी कमी हुई है।श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के प्रधान अध्यापक नंदकिशोर पंडित साहिबगंज प्रखंड अध्यक्ष जितेंद्र हरि,रविंद्र कुमार धर्मराज मंडल,सुभाष पासवान मोहम्मद फसाहत अंसारी,सपना सोरेन,अजय कुमार सिंह,उपेंद्र मंडल,इस्लाम परवेज शंभू कुमार सिंह,मोहम्मद इकरामुल,तारीक अजीज समेत कई सहायक अध्यापक मौजूद थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक पर गोली चलाने वाला आरोपित 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

संवाददाता

हजारीबाग : जिले के पदमा ओपी (थाना) क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त शिक्षक पर जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपित को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित के पास से घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार और बाइक भी बरामद कर ली है। उल्लेखनीय हो कि पुलिस के अनुसार, 06 सितंबर की सुबह पदमा प्रखंड के सूर्यपूरा चौक के पास बाइक सवार अपराधियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक राजेश कुमार महथा पर अचानक अंधाधुंध गोलियां चला दी थीं। वारदात उस समय हुई जब शिक्षक चौक के पास एक दुकान से दाढ़ी बनवाकर पैदल अपने घर लौट रहे थे। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए

तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राधा प्रेम किशोर के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। गुप्त सूचना और तकनीकी इनपुट के आधार पर, एसआइटी ने पदमा क्षेत्र के जिघु गांव में छापेमारी की। पुलिस ने मुख्य आरोपित कृष्णा महतो को उसकी बहन के घर से धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपित कृष्णा महतो ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस को दिए बयान में उसने बताया कि सेवानिवृत्त शिक्षक के साथ उसका पुराना व्यक्तिगत विवाद और आपसी रंजिश चल रही थी। इसी का बदला लेने के लिए उसने शिक्षक की हत्या की साजिश रची और उन पर गोलियां चलाईं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई सामग्री जब्त की है, जिसमें लोडेड पिस्तौल और 08 जिंदा कारतूस, मिसफायर कारतूस और 02 खोखे, घटना में इस्तेमाल की गई बाइक, 02 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

दिवंगत कैबिनेट मंत्री को ऑफिसर्स टीचर्स और इंप्लाइज फेडरेशन ने दी श्रद्धांजलि

साहिबगंज : झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड इंप्लाइज फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह के दिशा निर्देश पर साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर चौक पर झारखंड सरकार के दिवंगत कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सुदीव्य कुमार सोनू की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत मंत्री को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड इंप्लाइज फेडरेशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश चंद्र पासवान,प्रांतीय उप महासचिव मुरलीधर रजक,जिला संरक्षक डॉ रंजीत कुमार सिंह,जिला अध्यक्षा सुष्मिता सोरेन,जिला सचिव सोनेलाल मंडल जिला कोषाध्यक्ष प्रणव शर्मा,जिला मीडिया प्रभारी सुभाष चन्द्र शर्मा पूर्व प्रांतीय महासचिव प्रदीप कुमार मंडल,पूर्व जिला संयोजक डॉ मनोज कुमार यादव एवं संजीव कुमार शाह सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में

आमजन उपस्थित थे।श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि झारखंड सरकार के दिवंगत कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय सुदिव्य कुमार सोनू हमेशा सरकार व कर्मचारियों के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करते थे।झारखंड के कर्मचारियों के हितों के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।विशेष रूप से झारखंड में पुरानी पेंशन योजना की बहाली में उनका महत्वपूर्ण एवं अविस्मरणीय योगदान रहा है।सभा में उपस्थित सभी लोगों ने उनके असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।मौके पर रेणु कुमारी,रेणु गुप्ता प्रमोदनी सोरेन,मनोहर कुमार शर्मा,राजीव कुमार, प्रभात कुमार सिंह,बाबूलाल मरांडी,कुमार वागीश,सुभाशीष सुभाष कुमार,वीरेंद्र कुमार,रिपुंजय कुमार,इनोसेंट हांसदा,इकराम मारंडी,डॉ राजू झा,भास्कर कुमार,नीरज कुमार गोस्वामी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर आजसू ने जताया शोक

साहिबगंज:झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन की खबर से आजसू पार्टी के कार्यकताओं में शोक की लहर है। सोमवार को साहिबगंज स्थित आजसू पार्टी कार्यालय में जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय के नेतृत्व में शोकसभा आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि जनसेवा के क्षेत्र में उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा।उनके निधन

से राज्य ने एक कर्मठ और समर्पित जनप्रतिनिधि को खो दिया है।आजसू पार्टी इस दुख की घड़ी में उनके परिजनों और समर्थकों के साथ खड़ी है।ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति दें।शोकसभा में चतुरानंद पांडेय,नारायण सिंह, मिथिलेश कुमार यादव,विजय कुमार यादव,विवाह कुमार साह,गोविंद पासवान,राजेश राय,शशिकांत दुबे, वकील मंडल,विजय कुमार,कृष्ण कुमार पांडेय,रंजीत कुमार सिन्हा, विवेक कुमार,सोनू मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

हजारीबाग में अनियंत्रित डंपर की टक्कर से बिजली पोल क्षतिग्रस्त

हजारीबाग : शहर के बड़कागांव रोड स्थित इमली कोठी के पास रिशु होंडा शोरूम के समीप रविवार रात करीब 11 बजे एक तेज रफ्तार डंपर ने बिजली के पोल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कंक्रीट का बिजली पोल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कई लाइव तार टूटकर सड़क पर बिखर गए। दुर्घटना के तुरंत बाद से ही संबंधित इलाके की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई । रात भर बिजली गुल रहने से स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी और अंधेरे के बीच भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस दुर्घटना में डंपर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों और बड़ा बाजार पुलिस की मदद से तुरंत इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद विद्युत विभाग की टीम मौके पर नुकसान का आकलन करने में जुट गई है। सोमवार को समाचार लिखे जाने तक टूटे हुए पोल और लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य जारी था। ताकि जल्द से जल्द इलाके में बिजली बहाल की जा सके। स्थानीय निवासियों ने इस मार्ग पर भारी वाहनों की बेकाबू रफ्तार पर रोक लगाने और रात के समय नो-एंट्री के नियमों का सख्ती से पालन कराने की मांग की है।

हजारीबाग में फिर बिजली संकट गहराया

हजारीबाग: जिले में बारिश के दौरान भी एक सप्ताह सुचारू रूप से बिजली मिलने के बाद हजारीबाग शहरी और ग्रामीण इलाकों में एक बार फिर से बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अघोषित बिजली कटौती और लचर वितरण व्यवस्था से त्रस्त आम जनता की आवाज उठाते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्थानीय बिजली विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विभागीय स्तर पर भ्रष्टाचार इस कदर हावी हो चुका है कि जनप्रतिनिधियों और जनता की शिकायतों का कोई असर नहीं पड़ रहा है। पूर्व सांसद ने तीखे शब्दों में कहा कि हजारीबाग एक ऐसा कोयला उत्पादक क्षेत्र है, जिसके खनिज और कोयले से दूसरे राज्य रोशन हो रहे हैं, विडंबना यह है कि खुद हजारीबाग की जनता को अंधेरे में रहना पड़ रहा है। कोयलांचल होने के बावजूद यहां के उपभोक्ताओं को बुनियादी बिजली सुविधा से वंचित रखना गंभीर अन्याय है। उन्होंने दो टूक कहा कि वर्तमान में सांसद और विधायकों की डांट-फटकार का भी भ्रष्ट अधिकारियों पर कोई असर नहीं हो रहा है।

मारपीट मामले में तीन गिरफ्तार

साहिबगंज:गंगा नदी थाना क्षेत्र के गोपालपुर धीशू टोला निवासी श्याम मंडल भीषण मंडल, विसेव मंडल को गंगा नदी पुलिस ने मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया है।थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित राजेश चौधरी ने 10 से 15 लोगों के विरुद्ध मारपीट करने का आवेदन दिया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की छानबीन कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

अधिकारियों ने कच्ची सड़क का लिया जायजा

साहिबगंज/बोरियो : प्रखंड क्षेत्र के पुआल गांव में जर्जर कच्ची सड़क की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर 9 सितंबर को कच्ची सड़क पर धान रोपकर विरोध प्रदर्शन का चेतावनी दिया है।मामले की जानकारी मिलने पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, कार्यपालक अभियंता देवीलाल हांसदा एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव सोमवार की शाम पुआल गांव पहुंचे।अधिकारियों ने मांझी टोला से डिगरा टोला तक कीचड़मय एवं जर्जर कच्ची सड़क का जायजा लिया।इस दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी जताई और जल्द से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की।ग्रामीणों के अनुसार पुआल गांव के मांझी टोला,डिगरा टोला होते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक सड़क की स्थिति काफी खराब है।बरसात के दिनों में सड़क पर कीचड़ और पानी जमा रहने के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी बीमार लोगों और गर्भवती महिलाओं को होती है।उन्हें कई बार खटिया के सहारे कीचड़ भरे रास्ते से स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाना पड़ता है। मुखिया टेरेसिना मरांडी ने बताया कि गांव में पक्की सड़क निर्माण की मांग कई बार विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखी जा चुकी है,लेकिन अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं हो सकी है।उन्होंने कहा कि सड़क पर जलजमाव के कारण ग्रामीणों में बीमारियां फैलने की आशंका भी बनी रहती है।ग्रामीण मंगल मुर्मू ने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान सड़क निर्माण नहीं होने पर ग्रामीणों ने रोड नहीं तो,वोट नहीं का नारा लगाते हुए विरोध दर्ज किया गया था इसके बाद जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के आश्वासन पर ग्रामीणों ने मतदान किया,लेकिन चुनाव के बाद भी सड़क निर्माण की मांगे पूरी नहीं हुई।उन्होंने कहा कि जब तक सड़क निर्माण कार्य का शिलापट्ट नहीं लगाया जाता,तब तक ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। इस संबंध में एसडीओ अमर जॉन आईंद ने बताया कि गांव में सड़क की स्थिति वास्तव में काफी खराब है।उन्होंने कहा कि सड़क का टेंडर स्वीकृत हो चुका है।पीएम जनमन योजना के तहत पुआल गांव में करीब 1.7 किलोमीटर सड़क निर्माण की प्रक्रिया एक माह के अंदर शुरू कर दी जाएगी।एवं गांव के अन्य एप्रोच सड़कों का कार्य भी पूरा कराया जाएगा।

चौपारण में सड़क किनारे चल रहे युवक को अनियंत्रित कंटेनर ने रौंदा, जाम

कटकमसांडी : थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में अवैध संबंध को लेकर एक राजमिस्त्री की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई । जबकि महिला सलोनी देवी को पीटकर बुरी तरह जख़्मी कर दिया। जिसका इलाज कटकमसांडी अस्पताल में चल रहा है। मृतक की पहचान शाहपुर गांव निवासी 45 वर्षीय जागेश्वर भुइयां के रूप में हुई है। घटना के बाद मृतक की पत्नी फूलमती देवी ने कटकमसांडी थाने में लिखित आवेदन देकर 6 लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया है। शिकायत के अनुसार, जागेश्वर भुइयां 6 सितंबर को पास के ही गांव माडीगड़ा में मकान प्लास्टर का काम करने गए थे। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। रात लगभग 10 बजे सूचना मिली कि कुछ लोग जागेश्वर के साथ मारपीट कर रहे हैं। सुचना मिलते ही परिजन जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि गांव के ही सोमरा उरांव उर्फ बोदरा, मंगरा उरांव उर्फ हुमना, रतन कुजूर, प्रकाश टोप्पो, विकास गंझू और प्रकाश गंझू मिलकर जागेश्वर भुइयां को लाठी, डंडों और ईंटों से बेरहमी से पीट रहे थे। परिजनों के बचाने का प्रयास किया लेकिन वे लोग किसी की भी नहीं सुने और बचाने वाले को भी जान से मारने की धमकी दी ।तभी परिजनों ने आसपास के ग्रामीणों के समक्ष गुहार लगाई बावजूद आरोपियों ने मारपीट जारी रखी और जान से मारने की धमकी देते रहे। ग्रामीणों के जुटने पर आरोपी उन्हें अधमरी हालत में छोड़कर फरार हो गए। तभी परिजनों ने आनन-फानन में जागेश्वर भुइयाँ को कटकमसांडी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कटकमसांडी थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने आरोपी रतन उरांव और गुमनाम उरांव को गिरफ्तार किया है ।

जूनियर एशिया कपः भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

एजेंसी

मोकी : भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरूआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया। भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूनार्मेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद भारत ने 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह के गोल से फिर बढ़त हासिल की और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 4-3 कर दिया। उअंतिम क्वार्टर के शुरूआती दौर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन भारत ने 55वें से 58वें मिनट के बीच तीन गोल कर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 6-3 से आगे कर दिया। आर्यन एक्सेस ने 58वें मिनट में सातवां गोल दागकर भारत की 7-3 से जीत सुनिश्चित कर दी। इस हार के बाद दक्षिण कोरिया के छह अंक हैं। पूल-ए में उसका आखिरी मुकाबला जापान से होगा। जापान चार अंकों के साथ सेमीफाइनल की दौड़ में बना हुआ है और मंगलवार को इंडोनेशिया से भिड़ेगा। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मुकाबले में चीनी ताइपे का सामना करेगा। भारतीय टीम की नजर अब जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने पर होगी।

यूएस ओपनः राइबाकिना क्वार्टर फाइनल में, झेंग से होगी भिड़ंत; गॉफ तीन साल बाद अंतिम-8 में

एजेंसी

न्यूयॉर्क : कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना ने सोमवार को पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीय राइबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामना चीन की झेंग छिनवेन से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचते ही राइबाकिना विश्व नंबर-1 बन जाएंगी। राइबाकिना ने ऑन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, ह्लबेशक मैं नंबर-1 बनना चाहती हूं। मैं ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं जानती जो ऐसा नहीं चाहेगा। निश्चित रूप से यह मेरे लक्ष्यों में से एक है। मैं हर मैच को उसी तरह लेने की कोशिश करती हूं, अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अंत तक लड़ने की कोशिश करती हूं। अब अगले मुकाबले में क्या होता है, देखते हैं। झेंग छिनवेन ने आठवीं वरीय इगा श्वियातेक को 7-5, 6-3 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया।

चीन की 2024 ओलंपिक चैंपियन झेंग लगातार दूसरे मुकाबले में शुरूआती पांच गेम गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रहीं। वह 2021 में एमा राडुकानु के चैंपियन बनने के बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बनीं। इससे पहले झेंग ने मैडिसन कीज के खिलाफ तीसरे सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद लगातार सात गेम जीतकर 1-6, 7-6, 7-5 से मुकाबला अपने नाम किया था। श्वियातेक के खिलाफ भी वह शुरूआती पांच गेम हार गई थीं। झेंग ने कहा, ह्लमेरा मानना है कि कल 0-5 से वापसी करना किस्मत नहीं थी। मैं बस इतना ही कह सकती हूं। राइबाकिना ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था और विश्व नंबर-2 उनकी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। बुधवार को हारने के बावजूद उनके पास नंबर-1 बनने का मौका रहेगा, बशर्ते आर्यना सबालेंका, कोको गॉफ या जेसिका पेगुला में से कोई भी खिताब न जीते। ओसाका के खिलाफ मुकाबला केवल एक घंटे छह मिनट चला। राइबाकिना ने ऐस के साथ मैच समाप्त किया। इस समय वह महिला टेनिस संघ के पूरे दौरे में सबसे ज्यादा ऐस लगाने वाली खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं। ओसाका, जिन्होंने अपने चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते हैं, मुकाबले के दौरान पैर या टखने की समस्या से जूझती नजर आईं।

गॉफ भी तीन साल बाद क्वार्टर फाइनल में

चौथी वरीय कोको गॉफ ने 14वीं वरीय इवा जोविच को 6-1, 6-4 से हराकर तीन साल बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने 2023 में इसी टूनार्मेंट में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके बाद वह पिछले दो वर्षों में चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थीं।

गॉफ के सामने अब फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा की चुनौती होगी। आंद्रीवा ने 24वीं वरीय अनास्तासिया पोटापोवा को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया। मुकाबले के अंतिम गेम में पोटापोवा के घुटने में चोट लगने के बाद आंद्रीवा ने उनकी मदद भी की।

परेशान होकर इस एक्ट्रेस ने छोड़ा बॉलीवुड

इंडस्ट्री में महिलाओं को इंसान नहीं बल्कि एक चीज समझा जाता था, निक्की वालिया बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शुमार रही हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में मिस्टर आजाद, अकेले हम अकेले तुम और परदेसी बाबू जैसी कई चर्चित फिल्मों में काम किया। निक्की वालिया बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्रियों में शुमार रही हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में मिस्टर आजाद, अकेले हम अकेले तुम और परदेसी बाबू जैसी कई चर्चित फिल्मों में काम किया। अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर उन्होंने बॉलीवुड से क्यों दूरी बनाई। निक्की के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री का माहौल उनके लिए काफी टॉक्सिक था, जिसके चलते उन्होंने फिल्मों को छोड़कर टेलीविजन की दुनिया का रुख कर लिया। बॉलीवुड को लेकर उनका यह खुलासा अब लोगों को हैरान कर रहा है।

इस वजह से निक्की ने बॉलीवुड से बना ली दूरी

एक इंटरव्यू में निक्की वालिया ने फिल्म इंडस्ट्री के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उस दौर में महिलाओं के साथ होने वाला व्यवहार उन्हें काफी परेशान करता था। उनके मुताबिक, महिलाओं से जिस तरह की अपेक्षाएं की जाती थीं और जिस लहजे में उनसे बात की जाती थी, वह उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था। निक्की का कहना है कि कई लोग महिलाओं को एक इंसान की बजाय महज एक वस्तु की तरह देखते थे और उनके लिए अपमानजनक या असम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। यह सब देखकर और सुनकर वह काफी हैरान हो जाती थीं। निक्की ने आगे कहा कि उनकी सोच और फिल्म इंडस्ट्री का माहौल एक-दूसरे से काफी अलग था। उन्होंने किसी को सही या गलत ठहराने के बजाय कहा कि शायद दोनों की प्रकृति ही अलग थी। एक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया कि बॉलीवुड छोड़ने के बाद उन्हें इंडस्ट्री की ओर से काफी विरोध का सामना करना पड़ा था।

बॉलीवुड छोड़ने के बाद मिला काफी विरोध

निक्की वालिया ने बताया कि बॉलीवुड से दूरी बनाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री की तरफ से काफी विरोध का सामना करना पड़ा। उन्हें इस बात का एहसास हो गया था कि फिल्मों से बाहर निकलने और अपने अनुभवों पर खुलकर बोलने के बाद शायद भविष्य में उन्हें दोबारा काम मिलना मुश्किल हो जाए। उनके मुताबिक, इंडस्ट्री के कुछ लोगों को यह डर था कि कहीं वह फ़िल्मी दुनिया के और अंदरूनी राज सामने न ले आएं। निक्की का कहना है कि लोगों को लगा कि एक नई लड़की होकर उन्हें इतना बेबाक बयान दे दिया और शायद उन्हें किसी का डर नहीं है। इस पर एक्ट्रेस ने साफ़ कहा कि वह डरें भी क्यों क्योंकि उन्होंने न तो कोई झूठ बोला और न ही किसी का नाम बेवजह विवाद में घसीटा। बॉलीवुड से अलग होने के बाद निक्की वालिया ने छोटे पर्दे पर अपनी खास पहचान बनाई। उन्होंने कई चर्चित टीवी शोज में काम किया और 'अस्तित्व... एक प्रेम कहानी', 'दिल संभल जा जरा' और 'घर एक सपना' जैसे धारावाहिकों के जरिए दर्शकों के बीच घर-घर लोकप्रिय हो गईं।

मार्क चैपमैन ने न्यूजीलैंड का केंद्रीय अनुबंध छोड़ा, बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता साफ

ऑकलैंड : न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने 2026-27 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ आकस्मिक अनुबंध स्वीकार किया है, जिससे वह बिग बैश लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रह सकेंगे। चैपमैन न्यूजीलैंड की आगामी घरेलू श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके अलावा फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्न और टिम सीफर्ट भी इसी तरह के आकस्मिक अनुबंध पर हैं। बिग बैश लीग का आगामी सत्र 12 दिसंबर से 26 जनवरी तक खेला जाना है, जो न्यूजीलैंड के ऑस्ट्रेलिया दौरे और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर श्रृंखला के साथ टकरा रहा है। चैपमैन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्लमैं अपने पूरे करियर के दौरान समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं। भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला को लेकर हम सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं और मैं उस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। चैपमैन के केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद खाली हुई जगह नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को मिली है। फिशर को पहली बार न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य उच्च प्रदर्शन अधिकारी डेरिल गिब्सन ने कहा, ह्लमैट फिशर के केंद्रीय अनुबंध सूची में आने से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स में एक स्थान खाली हुआ है, जिससे उनके विकास को जारी रखने के लिए एक और खिलाड़ी को अनुबंध सूची में शामिल करने का अवसर मिलेगा। मैट ने ब्लैककैप्स के लिए मिले अवसरों में प्रभावित किया है और उनकी तेज गति निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिसे हम आगे विकसित करना चाहते हैं। चयन प्रबंधक गेविन लार्सन ने कहा कि आगामी व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टीम में तेज गेंदबाजी की पर्याप्त गहराई की जरूरत है। उन्होंने कहा, ह्लआने वाले व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम में भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच शामिल हैं। हमें पता है कि ब्लैककैप्स को सफलता का सर्वश्रेष्ठ मौका देने के लिए तेज गेंदबाजी में अच्छी गहराई की जरूरत होगी। मैट ऐसी तेज गति से गेंदबाजी कर सकते हैं, जो किसी भी टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

जैकलीन को छोड़ दो...

सुकेश चंद्रशेखर का नोरा पर सनसनीखेज दावा, लेटर में खोले कई राज 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर और एक्ट्रेस नोरा फतेही से जुड़ा विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है. जेल में बंद सुकेश की कथित तौर पर नोरा को हाथ से लिखी चिट्ठी सोशल मीडिया पर सामने आई है. इस चिट्ठी में सुकेश ने एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेहीपर कई गंभीर और हैरान कर देने वाले आरोप लगाए हैं. उसने आरोप लगाया कि नोरा फतेही उसके और एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज के रिश्ते से जलती थीं. ये चिट्ठी नोरा फतेही द्वारा हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान इस विवाद से जुड़े मानसिक तनाव और भावुक होने की बात कहे जाने के बाद सामने आई है. एनडीटीवी ने इस चिट्ठी को असली बताया है, लेकिन इसमें किए गए सुकेश के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है.

सुकेश का नोरा पर सनसनीखेज दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुकेश ने अपने कथित पत्र में दावा किया कि नोरा उसे दिन में 10 बार तक फोन करती थीं और जैकलीन को छोड़ने के लिए कहती थीं. उसने लिखा कि नोरा उसे अपनी लाइफस्टाइल का पूरा खर्च उठाने के लिए भी मनाती थीं. सुकेश ने यह भी आरोप लगाया कि नोरा उसके साथ अपने कथित व्हाट्सऐप चैट में महंगे गिफ्ट्स को लेकर बात करती थीं. इनमें बिर्किन बैग, BMW और रेंज रोवर जैसी लग्जरी चीजों का जिक्र होने का दावा किया गया है.

सनी देओल अब 'घातक' बन घुसकर मारेंगे, इस बड़े डायरेक्टर के साथ बनाएंगे नई मूवी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की नई फिल्म 'घातक घूस के मारेगा' में 1996 की 'घातक' के किरदार नजर आएंगे। 'बंटवारा 1947' फ्लॉप होने के बाद भी सनी देओल हाथ में एक बड़ी फिल्म लगी है। वो डायरेक्टर राजकुमार संतोषी की अगली मूवी में नजर आएंगे।

दोनों ने साथ मिलकर कई यादगार फिल्में दी हैं और अब एक नई फिल्म के लिए फिर हाथ मिलाया है। खास बात यह है कि उनकी आगामी फिल्म का कनेक्शन साल 1996 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'घातक' से है। हालांकि यह मूवी फिल्म 'घातक' का सीक्वल नहीं है।

'घातक घूस के मारेगा' है फिल्म का नाम

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की इस नई फिल्म का नाम 'घातक घूस के मारेगा' बताया गया है। निर्देशक राजकुमार संतोषी बातचीत में फिल्म को लेकर जानकारी शेयर की है। उन्होंने बताया कि सनी देओल और वह फिलहाल कुछ कहानियों पर काम कर रहे हैं। फिल्म को लेकर जल्द ही आधिकारिक घोषणा की जाएगी। संतोषी ने साफ किया कि 'घातक घूस के मारेगा' 'घातक' का सीक्वल नहीं है, लेकिन इसमें उसी फिल्म के किरदार दिखाई देंगे।

1996 की फिल्म से कैसे जुड़ी है नई कहानी?

सनी देओल की 1996 में आई फिल्म 'घातक' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म में सनी देओल ने काशी नाथ का किरदार निभाया था। दमदार एक्शन, डायलॉग और इमोशनल कहानी फिल्म की सबसे बड़ी खासियतों में शामिल थे। अब राजकुमार संतोषी एक बार फिर उसी तरह के माहौल और तेवर वाली कहानी लेकर आने की तैयारी कर रहे हैं। नई फिल्म में 'घातक' से जुड़े किरदारों को आगे की कहानी में दिखाया जाएगा, लेकिन इसे सीधे तौर पर सीक्वल नहीं कहा जा रहा है।

बिग बॉस में एंट्री पर बोलीं रिया अहीर

शो में जाने के बाद लोगों को पता चलेगा मैं कैसी हूं

सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर और मॉडल रिया अहीर 'बिग बॉस-20' में नजर आ सकती हैं। शो में उनकी एंट्री पूरी तरह से दर्शकों के वोट पर आधारित है, जिसे लेकर रिया का कहना है कि वे उनके लिए एक तरह से इम्तिहान की तरह है। रिया अहीर का मानना है कि बिग बॉस जाने के बाद लोग अच्छी तरह से समझ सकेंगे कि वे किस तरह के इंसान हैं। उन्होंने कहा, 'जब मेरे पास बिग बॉस की खबर आई थी, तो बहुत लोगों ने मुझे ट्रोल करना शुरू कर दिया था। वे कहने लगे थे कि मुझ पर फेम का असर चढ़ गया है, जिस वजह से मैंने वोटिंग का सहारा लेने का फैसला लिया। उन्होंने बताया कि काफी लोगों ने मुझसे पूछा था कि बिग बॉस क्यों? मेरे बारे में अलग-अलग बातें हो रही थीं। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं भी सोचती थी कि बिग बॉस क्यों जाना है। फिर घर में पापा से बात हुई और उन्होंने मुझसे जो कहा वह बात मेरे दिल में गई थी। उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम इस बात पर कैसे रिएक्ट करती हो ये पूरा तुम पर निर्भर करता है। मैं तुम्हे खुद को फिर से लॉन्च करने या फिर कुछ भी करने के लिए कोई मजबूर नहीं कर रहा हूं। यह बात मेरे मन में बैठ गई थी। मुझे लगा कि लोगों को यह जानने का अच्छा मौका होगा कि मैं किस तरह की इंसान हूं। लोग कह रहे थे कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा है, तो मैं चाहती हूं कि वे मुझे वैसे देखें जैसी मैं सच में हूं। मेरी या किसी और की मत सुनो, खुद फैसला करो। दरअसल, रिया अहीर नीट पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ हुए छात्र विरोध प्रदर्शन के दौरान मुंबई पुलिस की वैन के सामने अकेले खड़े होने के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा में आईं और रातों-रात

शिवराज सिंह और जितेन्द्र सिंह आज विदिशा में करेंगे कीमोथेरेपी डे-केयर यूनिट का उद्घाटन

एजेंसी

भोपाल : केन्द्रीय मंत्रीद्वय शिवराज सिंह चौहान और डॉ. जितेन्द्र सिंह आज मंगलवार को मध्य प्रदेश के विदिशा स्थित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में कीमोथेरेपी डे-केयर यूनिट का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल भी मौजूद रहेंगे।

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. अविनाश लाघवारे ने बताया कि संस्थान में कैंसर मरीजों के उपचार की सुविधाओं में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत कीमोथेरेपी डे-केयर यूनिट का उद्घाटन समारोह दोपहर एक बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय एवं राज्य स्तर के जनप्रतिनिधियों, चिकित्सा विशेषज्ञों तथा वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस नई सुविधा के शुरू होने से कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी उपचार के लिए बेहतर एवं व्यवस्थित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, अतिथियों का मेडिकल कॉलेज में आगमन एवं स्वागत किया जाएगा। इसके बाद कॉलेज काउंसिल रूम में चाय के साथ समारोह की तैयारियों एवं कार्यक्रम से संबंधित चर्चा होगी। तत्पश्चात अतिथिगण कॉलेज से एलटी-2 स्थित उद्घाटन समारोह स्थल के लिए प्रस्थान करेंगे। समारोह स्थल पर पहुंचने के बाद सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना की जाएगी। इसके उपरांत अतिथियों का मंच पर स्वागत एवं अभिनंदन होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह और उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल का संबोधन होगा। इसके बाद अतिथियों द्वारा विधिवत कीमोथेरेपी डे-केयर सेंटर का उद्घाटन किया जाएगा। उद्घाटन के उपरांत अतिथिगण सेंटर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन करेंगे। कैंसर उपचार सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. लाघवारे ने बताया कि कीमोथेरेपी डे-केयर यूनिट के संचालन से कैंसर मरीजों को उपचार के लिए एक समर्पित एवं सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध होगी। डे-केयर मॉडल के माध्यम से निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले मरीजों को उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे मरीजों और उनके परिजनों को उपचार प्रक्रिया के दौरान बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान में मानसून पड़ा कमजोर, चार–पांच दिन बारिश पर ब्रेक

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से खिसककर उत्तर भारत की ओर चली गई है। इसके चलते प्रदेश में अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है। हालांकि मंगलवार को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने 12 सितंबर से प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने और गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कुछ ही इलाकों में बारिश हुई। अलवर, कोटपूतली, सीकर और राजसमंद में बरसात मापी गई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश राजसमंद के नाथद्वारा में करीब 28 मिलीमीटर हुई। कोटपूतली, अलवर शहर और सीकर के कुछ क्षेत्रों में भी बारिश हुई। देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कई इलाकों में बादल छाए और हल्की बारिश के साथ तेज हवा चलीं। इस मानसून सीजन में राजस्थान में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी नीचे है। प्रदेश में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है। केवल चार जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है। भरतपुर में सबसे अधिक बारिश मापी गई। यहां एक जून से छह सितंबर तक सामान्य बारिश 481.7 मिलीमीटर मानी जाती है, जबकि इस सीजन में अब तक 638.8 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से 33 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा दौसा में सामान्य से 7 प्रतिशत, धौलपुर में 10 प्रतिशत और झुंझुनूं में 13 प्रतिशत अधिक बारिश मापी गई है। वहीं अलवर में सामान्य से एक प्रतिशत और करौली में पांच प्रतिशत कम बारिश हुई है।

विधानसभा उपचुनाव : नंदीग्राम और रेजीनगर सीटों पर मतदान छह अक्टूबर को, नौ को होगी मतगणना

एजेंसी

कोलकाता : पूर्व मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम तथा मुर्शिदाबाद जिले की रेजी नगर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख घोषित कर दी गई है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, दोनों सीटों पर आगामी छह अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि नौ अक्टूबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किये जाएंगे। आयोग की अधिसूचना के अनुसार, नौ सितंबर को राजपत्र के माध्यम से उपचुनाव की औपचारिक प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। 17 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। 2026 के विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने चुनाव लड़ा था और दोनों जगह जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने भवानीपुर सीट अपने पास रखते हुए नंदीग्राम सीट छोड़ने की घोषणा की थी। विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम सीट से भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी को एक लाख 27 हजार 301 वोट मिले थे। उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस के पवित्र कर को एक लाख 17 हजार 636 वोट मिले थे। दूसरी तरफ मुर्शिदाबाद की रेजीनगर विधानसभा सीट से जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने जिले की भरतपुर विधानसभा सीट से भी चुनाव लड़ा था और वहां से भी विजयी रहे थे। बाद में उन्होंने रेजीनगर सीट छोड़ने की घोषणा की थी।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी की राख से प्रभावित दो दिन से बंद पांच हवाई अड्डों से उड़ानें शुरू

एजेंसी

जकार्ता (इंडोनेशिया) : इंडोनेशिया ने अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख के कारण प्रभावित पांच हवाई अड्डों को मंगलवार सुबह फिर से खोल दिया। हवाई अड्डों को दो दिन तक बंद रखना पड़ा, जिससे करीब 3,000 उड़ानें प्रभावित हुईं। परिवहनमंत्री डूडी पुरवागांधी ने इसकी पुष्टि की। सरकार ने स्थिति में सुधार का दावा किया है। बावजूद इसके तीन अन्य हवाई अड्डे स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे तक बंद थे। इंडोनेशिया की सरकारी न्यूज एजेंसी अंतारा की रिपोर्ट के अनुसार, परिवहनमंत्री डूडी पुरवागांधी ने कहा कि सुकर्णो-हट्टा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हलीम पेरदानकुसुमा हवाई अड्डा, पश्चिम जावा के बांडुंग शहर स्थित हुसैन सास्त्रानेगारा हवाई अड्डा और बांतन प्रांत के दो छोटे हवाई अड्डों को आधी रात के कुछ देर बाद फिर खोल दिया गया।

पुरवागांधी ने कहा, "हम एहतियाती रुख अपना रहे हैं क्योंकि हवा की दिशा बहुत तेजी से बदल रही है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ज्वालामुखी की राख अनाक क्राकाटाऊ के आसपास के हवाई अड्डों से दूर चली गई हो।"

रविवार और सोमवार को हवाई अड्डे बंद रहने से करीब 2,961 उड़ानें प्रभावित हुईं, जिनमें 622 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल है। इससे करीब 3,41,000 यात्रियों को परेशानी हुई।

पुरवागांधी ने कहा कि प्रभावित हवाई अड्डों और आसपास के एयर स्पेस की सुरक्षा जांच के बाद मंगलवार को स्थानीय समयानुसार रात 12:01 बजे कामकाज फिर से शुरू हुआ। पुरवागांधी ने कहा कि सोमवार दोपहर 12:10 बजे (वेस्टर्न इंडोनेशिया टाइम - डब्ल्यूआईबी) की ताजा जानकारी के मुताबिक, अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी की राख लगभग 15,000 फीट की ऊंचाई पर देखी गई। उन्होंने कहा कि उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को नियमों के तहत 100 प्रतिशत रिफंड दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सरकार उन विदेशी नागरिकों को इमिग्रेशन में छूट देगी जो उड़ानें रद्द होने के कारण अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद भी रुके हुए हैं।

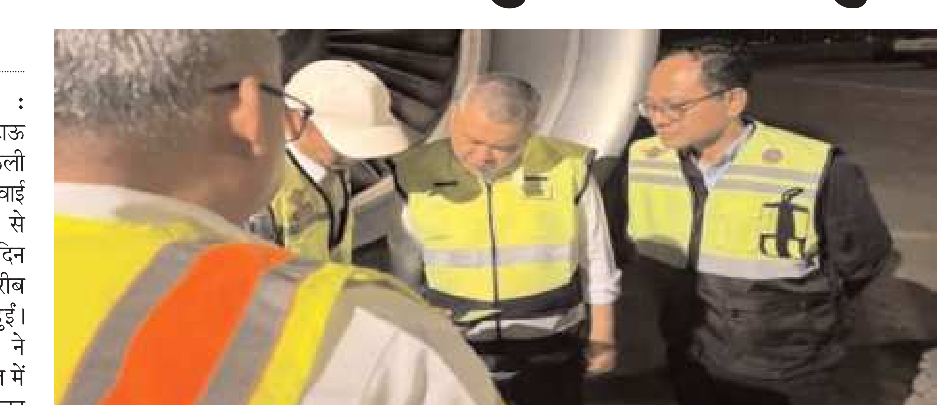

निवेश के नक्शे पर तेजी से उभर रहा मध्य प्रदेश, एआई-डिफेंस से लेकर नए सेक्टरों पर फोकस

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश अब सिर्फ पारंपरिक उद्योगों के लिए निवेश की जमीन तैयार नहीं कर रहा, बल्कि नई अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों में भी अपनी जगह बनाने की कोशिश में है। फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल जैसे स्थापित सेक्टरों के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा, ड्रोन, डिफेंस, आईटी और साइंस सिटी जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस बढ़ा है। लक्ष्य साफ है कि प्रदेश की स्थानीय क्षमताओं और संसाधनों को निवेश, उत्पादन और रोजगार से जोड़कर औद्योगिक विकास का दायरा बड़े शहरों से आगे जिलों तक पहुंचाना।मध्यप्रदेश निवेश के नए ठिकाने के तौर पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार निवेश आकर्षित करने के लिए नीतिगत बदलावों से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी तक कई स्तरों पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में व्यापार सुगमता के लिए किए गए सुधारों को प्रदेश में भी लागू किया गया है। सरकार के मुताबिक, कई पुराने और अप्रासंगिक कानून खत्म किए गए हैं और 25 से ज्यादा नई नीतियां लागू की गई हैं। इन बदलावों का उद्देश्य निवेशकों के लिए कारोबारी माहौल आसान बनाना और उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को गति देना है।

सराफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 600 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में बदलाव होने के कारण सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

उत्तर प्रदेश में प्रयागराज समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार

प्रयागराज : आगामी चौबीस घंटे के मध्य उत्तर प्रदेश के जनपद प्रयागराज सहित कई जिलों में तेज हवाओं के साथ मध्यम और हल्की बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। यह पूर्वानुमान मंगलवार को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केन्द्र ने चेतावनी जारी किया है। मौसम विभाग द्वारा जारी सूचनाओं के आधार पर उत्तर प्रदेश को दो मुख्य श्रेणियों में बांटा गया है। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस. एन. सुनील पांडेय ने इस मौसमी बदलाव पर कहा कि वर्तमान में मानसून की विदाई से ठीक पहले स्थानीय चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र और वायुमंडल में अत्यधिक नमी के कारण अचानक मौसम बदला है। उत्तर प्रदेश के मध्य, पूर्वी और तराई वाले जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। कानपुर सहित कई क्षेत्रों में तेज हवाओं और मेघ गर्जन के साथ बिजली गिरने की आशंका है। ऐसे में किसान भाई खेतों में कटी फसलों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाएं और आम नागरिक खराब मौसम में ऊंचे पेड़ों, बिजली के खंभों या खुले मैदानों में जाने से बचें। मौसम विभाग ने राज्य के जिलों को चेतावनी के आधार पर दो मुख्य सूचियों में वर्गीकृत किया है। मध्यम से तेज बारिश और बिजली का अलर्ट प्रदेश के गाजीपुर, बलिया, मऊ, हरदोई, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, शाहजहाँपुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत सहित 11 जिलों और उनके आसपास के इलाकों में मेघगर्जन एवं आकाशीय बिजली के साथ मध्यम से तेज बारिश की संभावना है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के मीरजापुर, चंदौली, प्रयागराज, संत रवि दास नगर (भदोही), वाराणसी, जौनपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली, अमेठी, कानपुर नगर, हाथरस, मथुरा, आजमगढ़, सुलतानपुर, अंबेडकर नगर, देवरिया, अयोध्या, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोंडा, सिद्धार्थ नगर, बलरामपुर, बरेली, अलीगढ़, बदायूं, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), बुलंदशहर , कानपुर देहात, जालौन, हमीरपुर, बांदा, फतेहपुर, चित्रकूट, कौशाम्भी, महोबा, झांसी, ललितपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, कासगंज, एटा, मुरादाबाद, जेपी नगर, रामपुर, संभल, बिजनौर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर सहित आस पास के जनपदों में बादलों की आवाजाही के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

नोएडा के विभिन्न सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

नोएडा : नोएडा के अलग-अलग जगहों पर हुए विभिन्न सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इनमें अभी एक मृतक की पहचान नही हो सकी है। बिसरख थाना प्रभारी रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में सोमवार की बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई है। मृतक की पहचान न होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शव की शिनाख्त के लिए आसपास के लोगों की सहायता ली जा रही है। उइसी तरह रबूपुरा थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में फरीदाबाद के रहने वाले करनैल सिंह (52) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी श्याम बाबू शुक्ला ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। इलाज दौरान उनकी मौत हो गई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुठभेड़ में पश्चिम बंगाल का अभियुक्त घायल, तीन गिरफ्तार

फिरोजाबाद : उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में टूण्डला थाना की पुलिस टीम ने सोमवार देर रात को सराफा की दुकान से नकबजनी की घटना करने वाले एक बदमाश को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से अभियुक्त घायल हैं, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पकड़ा गया अभियुक्त पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। उसके दो साथी भी पकड़े गए हैं। टूंडला क्षेत्राधिकारी (सीओ) अरुण कुमार चौरसिया ने मंगलवार को बताया कि 03 जुलाई को श्री जी ज्वैलर्स कस्बा टूण्डला सर्राफ दुकान से नकबजनी की घटना हुई थी। इस मामले में पुलिस मुकदमा दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश में थी। सोमवार की देर रात को जब टूंडला थाना प्रभारी बैजनाथ सिंह क्षेत्र में गश्त पर थे, तभी उन्हें बदमाशों की लोकेशन का पता चला। इसके बाद वह फोर्स के साथ पुराने वाईपास गेल गैस प्लांट से पहले खाली पड़े प्लॉट को चारों तरफ से घेर लिया, जहां बदमाश चोरी के माल को बेचने व नयी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। पुलिस टीम को देखकर एक बदमाश ने तमंचे से दो फायर किए। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्यवाही में गोली लगने से एक बदमाश घायल हुआ। उसके दो साथियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनकी पहचान मूलरूप से पश्चिम बंगाल निवासी सौदागर शेख,जो हाल फिलहाल गाजियाबाद में रह रहा था। उसके साथी फिरोजाबाद निवासी गंगा उर्फ गौरव और एटा निवासी अजीत कुमार के रूप में की हैं। अभियुक्तों के कब्जे से तमंचा मय खोखा, सफेद धातु चाँदी का सामान, दो ऑक्सीजन सिलेण्डर व एक गैस का 05 लीटर का छोटा सिलेण्डर लाल रंग व एक इलेक्ट्रिक तराजू व एक सब्बल लोहे का व एक छेनी लोहे की व एक पेचकस व 10 हजार रुपये बरामद हुए है। सीओ ने बताया कि घायल अभियुक्त शेख को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य अभियुक्तों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही हैं।

कनोहर इलेक्ट्रिकल्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुला, एंकर निवेशकों से जुटाए 317 करोड़ रुपये

नई दिल्ली : ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी कनोहर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सब्सक्रिप्शन के लिए मंगलवार को खुल गया है। इसमें निवेश करने के लिए निवेशक 10 सितंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 317 करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्टॉक एक्सचेंज पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कनोहर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने एंकर निवेशकों से कुल 317 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) की वेबसाइट पर अपलोड किए गए एक सर्कुलर के अनुसार, कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि उसने 42 फंड्स वाले एंकर निवेशकों को 632 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 50.11 लाख इक्विटी शेयर अलॉट किए हैं।

कंपनी के मुताबिक एंकर राउंड में हिस्सा लेने वाली कुछ संस्थाओं में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, अशोका व्हाइटओक इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड, एलियांज ग्लोबल इन्वेस्टर्स फंड, एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट फंड्स, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, कोटक म्यूचुअल फंड, मिरे एसेट म्यूचुअल फंड और मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड शामिल हैं। कनोहर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के 1,056 करोड़ रुपये के 2 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेश के लिए निवेशक न्यूनतम 23 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद कुल 23 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 601-632 रुपये प्रति शेयर तय किया है। निवेश के लिए यह इश्यू 10 सितंबर तक खुला रहेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

झारखंड सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी गई श्रद्धांजलि

झारखंड सरकार के लोकप्रिय एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों और प्रयासों से झारखंड में बेहतर शिक्षा और उत्कृष्ट माहौल बनाने वाले झारखंड सरकार के काबीना एवं उच्च शिक्षा मंत्री दिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर मधूसूदन पब्लिक स्कूल में श्रद्धार्जंलि सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई और उनके कार्यों को याद किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा में मधूसूदन पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष और निदेशक बलराज हिंदवार ने कहा कि- उच्च शिक्षा मंत्री के इस आकस्मिक निधन पर हमसब हतप्रभ हैं उनके कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ और व्यवस्थित रही। झारखंड में शिक्षा का माहौल बेहतर बना। उनका आकस्मिक निधन शिक्षा के क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति है। इस शोक सभा में विद्यालय के प्राचार्यगण के नागा राजू एवं प्रशांत तिवारी तथा शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

एक साल में 11 स्थान की छलांग मार राज्य में शीर्ष पर पहुंचा धनबाद

धनबाद : कोलियरी क्षेत्र से घिरे धनबाद शहर ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन करते हुए झारखंड में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में धनबाद देशभर में 18वें नंबर पर रहा। 2025 में इस सूची में धनबाद 29वें नंबर पर था। एक साल में धनबाद ने 11 स्थान की छलांग मारते हुए 18वें नंबर पर कब्जा जमाया है। पिछले एक साल में धनबाद की हवा को शुद्ध करने के लिए नगर निगम द्वारा किए गए काम की वजह से इसकी रैंकिंग में सुधार हुआ। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत केंद्र सरकार हर साल स्वच्छ वायु सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करती है। सोमवार को जारी रिपोर्ट में देश के शहरों को आबादी के हिसाब से अलग-अलग कैटोगेरी में बांटकर रैंकिंग जारी की गई। दस लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों में 18वें नंबर पर पहुंचकर धनबाद ने अपने काम से केंद्र सरकार की सर्वेक्षण टीम को प्रभावित करने में सफल रहा। धनबाद नगर निगम ने 200 अंकों वाले इस सर्वेक्षण में 174.5 अंक हासिल किया।

धनबाद ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में देश के कई बड़े शहरों को पीछे छोड़ दिया। धनबाद से सटे कोलकाता देशभर में 38वें नंबर पर है। वहीं बेंगलुरु 32वें व वाराणसी 34वें नंबर पर है। धनबाद ने क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत किए गए काम की वजह से अपनी रैंकिंग सुधार ली। शहर के 55 वार्डों में 18 करोड़ का पेवर ब्लॉक बिछाया गयां- 9.68 करोड़ खर्च कर विभिन्न वार्डों में 15.33 किलोमीटर बिटूमिन सड़क- 4.13 करोड़ खर्च कर चार खेल का मैदान तैयार किया- 2.33 करोड़ खर्च कर 23 वर्टिकल गार्डन तैयार किया गया- 1.59 करोड़ खर्च कर कई वार्डों में ग्रीन पैच तैयार किया गया वर्ष पीएम 10 की मात्रा2017-18 3152018-19 2522019-20 2112020-21 1982021-22 2352022-23 2032023-24 1442024-25 171 जनता ने जिस विश्वास के साथ मेयर चुना है, उसपर खरा उतरने का पूरा प्रयास कर रहा हूं। इस उपलब्धि का श्रेय नगर निगम की पूरी टीम के साथ-साथ धनबाद की जनता को भी जाता है। प्रयास रहेगा कि आनेवाले समय में और अच्छी रैंकिंग धनबाद की हो। यह गर्व की बात है कि रांची-जमशेदपुर से धनबाद की रैंकिंग अच्छी है।

दीवाली के पहले शुरू होगा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सीटी स्कैन

धनबाद : धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करानेवाले मरीजों के लिए राहत की खबर है। सुपर स्पेशियलिटी में सीटी स्कैन मशीन का इंस्टॉलेशन पूरा हो चुका है। अब इसके ट्रायल रन की तैयारी शुरू कर दी गई है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार दीवाली से पहले मरीजों को सीटी स्कैन की सुविधा मिलने लगेगी। इसके लिए लगातार प्रयास जारी है। इस सुविधा के शुरू होने से गंभीर मरीजों को जांच के लिए निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों में नहीं जाना पड़ेगा। बता दें कि अभी तक मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। अस्पताल में इलाज के लिए आनेवाले मरीजों, विशेषकर इमरजेंसी और गंभीर रोगियों को डॉक्टर की सलाह पर सीटी स्कैन कराने के लिए निजी जांच केंद्रों में भेजना पड़ता है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को अतिरिक्त खर्च के साथ समय भी गंवाना पड़ता है। कई बार गंभीर मरीजों को अस्पताल से बाहर ले जाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। अधिकारियों के अनुसार सुपर स्पेशियलिटी परिसर में सीटी स्कैन मशीन लगाने का काम पूरा हो गया है। मशीन की तकनीकी जांच और आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। ट्रायल के दौरान मशीन की कार्यक्षमता, तकनीकी मानकों और रिपोर्टिंग व्यवस्था को परखा जाएगा। इसके बाद नियमित रूप से मरीजों के लिए सेवा शुरू करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा शुरू होने के बाद मरीजों की निजी सेंटरों पर निर्भरता कम होग।

सीटी स्कैन जांच के लिए मरीजों से कितनी राशि ली जाएगी, इसका निर्धारण अभी बाकी है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार रेट तय करने के लिए जल्द ही कॉलेज काउंसिल की बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें जांच की दर पर निर्णय लिया जाएगा।

इन मरीजों को विशेष लाभ : मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सीटी स्कैन शुरू होने से इमरजेंसी, ट्रॉमा, न्यूरो, मेडिसिन और सर्जरी विभाग के मरीजों को विशेष लाभ मिलेगा। दुर्घटना या गंभीर बीमारी के मामलों में समय पर जांच और रिपोर्ट मिलने से इलाज शुरू करने में भी चिकित्सकों को सहूलियत होगी।

मानगो सहारा सिटी दुष्कर्म केस में आरोपियों के बचाव में बयान दर्ज

जमशेदपुर : मानगो सहारा सिटी दुष्कर्म मामले में मंगलवार को 19 आरोपी कोर्ट में पेश हुए और खुद को निर्दोष बताया। अभियोजन पक्ष की गवाही खत्म होने के बाद 313 के बयान का आदेश दिया गया। मामले में दो पूर्व डीएसपी और अन्य शामिल हैं। एक आरोपी फरार है। तीन दोषियों को पहले से सजा मिल चुकी है।

मानगो सहारा सिटी दुष्कर्म केस में आरोपियों के बचाव में बयान दर्ज

जमशेदपुर : मानगो सहारा सिटी दुष्कर्म मामले में मंगलवार को 19 आरोपी कोर्ट में पेश हुए और बयान में खुद को निर्दोष बताया है। पिछली सुनवाई में अभियोजन पक्ष की गवाही बंद होने के साथ ही 313 के बयान का आदेश हुआ था। आरोपियों में दो पूर्व डीएसपी, एक इंस्पेक्टर, पूर्व मंत्री के भाई समेत अन्य कई शामिल है। की पेशी अदालत में होगी। अधिवक्ता संजय मुखर्जी ने बताया कि अदालत में पेश नहीं होने के कारण एक आरोपी फरार है।

विकसित भारत बनने में होगा बेटियों का अहम योगदान : राज्यपाल

जमशेदपुर : महिला विश्वविद्यालय में मंगलवार को चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत केवल पढ़ाई पूरी करने भर का अवसर नहीं बल्कि नई जिम्मेदारी संभालने का अवसर है। कहा कि डिग्री आपको अवसर दे सकती है, लेकिन संस्कार और व्यक्तित्व ही आपको पहचान दिला सकती है। कहा कि सफलता के साथ मूल्यों को हमेशा प्राथमिकता दें। आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। बेटियों ने अपनी क्षमता का परिचय दिया है।

कुलाधिपति ने कहा कि देश को बेटियों पर पूरे राष्ट्र को गर्व है। राज्यपाल ने कहा कि सफलता की राह में चुनौतिया भी मिलेंगी। इसलिए असफलता से न घबरायें। उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ रोजगार का साधन नहीं, बल्कि अपनी जिम्मेदारी को समझने का भी बोध देती है। उन्होंने कहा कि देश 2047 के विकसित भारत के संकल्प के साथ बढ़ रहा है। इसमें बेटियों का अहम योगदान होगा। इसलिए महिला विश्वविद्यालय की बेटियों को भी इसमें अपना योगदान सुनिश्चित करना होगा। राज्यपाल में कहा कि महिला विश्वविद्यालय आने वाले समय में शोध और नवाचार के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। विश्वविद्यालय की पहचान बिल्डिंग से नहीं, वहां के छात्रों से होती है। उन्होंने छात्राओं को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने को कहा। कहा कि आपकी सफलता सही मायने में सफल कहीं जाएगी जब आप अपने बूते किसी दूसरी बेटी को बढ़ाने में योगदान दें।

भाजपा का प्रदर्शन, डीसी ऑफिस घेराव को जुटे कार्यकर्ता

गुलाम शाहिद

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी एवं सीजीएल परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ भाजपा ने मंगलवार को रांची में जोरदार प्रदर्शन किया. बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता डीसी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे. इस दौरान मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गयी. कार्यकताओं ने हाथों में पोस्टर लेकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया.

प्रदर्शन में शामिल कार्यकताओं के पोस्टरों पर छात्रों को फर्जी मुकदमे में फंसाना बंद करो, नौकरी चोर को गिरफ्तार करोह्व और ह्यआंदोलनकारी छात्रों को न्याय दो जैसे नारे लिखे थे. कार्यकताओं ने परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं की जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की.

प्रदर्शन को देखते हुए रांची डीसी कार्यालय के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं. बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी है. किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए वाटर कैनन भी मौके पर तैयार रखा गया है. प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गयी है.भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी से हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है. पार्टी ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आंदोलनरत छात्रों पर दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की है. प्रदर्शन के कारण डीसी कार्यालय के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है और इलाके में राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं.

देवघर में दबोचे गए दो शातिर साइबर अपराधी, पीएम किसान योजना के नाम पर करते थे ठगी

देवघर : जिला में साइबर अपराध से जुड़े मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में एक बार फिर देवघर पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले का खुलासा करते हुए दो शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों पर पीएम किसान योजना, गूगल पे और पेटीएम के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर ठगी करने का आरोप है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इलियास अंसारी और साहिल अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी खुद को पीएम किसान योजना, गूगल पे कस्टमर केयर और पेटीएम अधिकारी बताकर लोगों को फोन करते थे।

आरोपियों द्वारा लोगों को लोन, कैशबैक और अन्य ऑनलाइन लाभ का लालच दिया जाता था। इसके बाद झांसे में आए लोगों से जरूरी जानकारी हासिल कर उनके बैंक खातों से रकम उड़ा ली जाती थी।

देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर के निर्देश पर साइबर डीएसपी कैलाश महतो ने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए विशेष टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी इनपुट और गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी शुरू की। पुलिस को सूचना मिली कि दोनों आरोपी एक बार फिर साइबर ठगी की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी काफी समय से पुलिस की नजर से बचने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, तकनीकी निगरानी और लोकेशन ट्रेस के जरिए पुलिस ने उनकी गतिविधियों पर नजर रखी और आखिरकार दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की। पूछताछ और बरामद मोबाइल एवं सिम कार्ड के आधार पर पुलिस अब इस साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य संदिग्धों और सहयोगियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन और कई सिम कार्ड बरामद किए हैं। बरामद सिम कार्ड और मोबाइल की तकनीकी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इन नंबरों के जरिए कितने लोगों को निशाना बनाया गया और इस पूरे साइबर ठगी नेटवर्क में कितने लोग शामिल हैं।

पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। बता दें कि देवघर देश का ऐसा जिला है, जहां पर सबसे ज्यादा साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी होती है। इसलिए पुलिस समय-समय पर देवघर वासियों को साइबर अपराधियों से बचने को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाती है।

दुरंतो एक्सप्रेस का 19 को बदलेगा मार्ग

जमशेदपुर : टाटानगर से गुजरने वाली पुणे-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस का मार्ग 19 सितंबर को बदलेगा, जबकि हावड़ा से पुणे दुरंतो 3 अक्तूबर को बदले मार्ग पर चलेगी। वहीं, पुणे हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस को तीन दिन समय बदलकर रवाना करने का आदेश है। इधर, चक्रधरपुर रेल मंडल के कांसबहाल-धरुआडीह अप लाइन में मंगलवार को साढ़े पांच घंटे का लाइन ब्लॉक है। इससे टाटानगर से इतवारी, हटिया, इस्पात समेत छह ट्रेनों को रद्द किया गया है। ट्रेनों के रद्द होने से कोल्हान, ओड़िशा और बंगाल के सैकड़ों यात्रियों को आवागमन में दिक्कत हुई।

गुवा गोलीकांड के शहीदों को जोबा माझी व जगत माझी ने दी श्रद्धांजलि

शहीदों के संघर्ष और कुबार्नी के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

संवाददाता

चाईबासा : गुवा गोलीकांड के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए हर वर्ष की भांति मंगलवार को सारंडा के सलाई व गोइलकेरा के डेरवां चौक स्थित शहीद वेदी पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर सिंहभूम की सांसद जोबा माझी एवं मनोहरपुर विधायक के जगत माझी ने शहीद वेदी पर विधिवत नारियल फोड़कर पूजा-अर्चना की और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सांसद जोबा माझी ने कहा कि शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ उनके संघर्ष और कुबार्नी के

उद्देश्य को याद करना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिन हक और अधिकारों के लिए हमारे लोगों ने आंदोलन किया और अपनी कुबार्नी दी, उस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए सभी को एकजुट होकर संकल्प लेना होगा। सांसद ने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज के सभी समुदायों से आपसी एकता और भाईचारा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि एकजुट होकर ही अपने अधिकारों और क्षेत्र के हितों की रक्षा की जा सकती है। वहीं विधायक जगत माझी ने कहा जल, जंगल और जमीन से हमारा अस्तित्व है, इसकी रक्षा करना हमारा धर्म है। यहां निवास करने वाले लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना और जल, जंगल, जमीन पर अधिकार दिलाना है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में झामुमो जिला उपाध्यक्ष अकबर खान, मनोहरपुर प्रखंड अध्यक्ष सह जिला परिषद उपाध्यक्ष रंजीत यादव, संजीव गंताइत, राजू सिंह, विक्रम सिंह, किशोर कुमार खलखो, चंचल रवानी, सुखराम सांडिल, बामिया माझी, मोहम्मद तबारक, सुखमती कोड़ा, जानकी हेम्ब्रम, निखिल साह समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर गंभीर वार्ड पार्षद मो. सलाहुद्दीन असलम

कहा- घबराएं नहीं, जायज मतदाताओं का नाम नहीं कटने देंगे; देर रात तक कार्यालय में लोगों को उपलब्ध करा रहे जरूरी दस्तावेज

संवाददाता

रांची : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर रांची नगर निगम वार्ड नंबर 16 के पार्षद मो. सलाहुद्दीन असलम उर्फ संजू भाई, वार्ड 17 की पार्षद फातिमा सलाहुद्दीन लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने अपने वार्ड के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा है कि जायज और वास्तविक मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए वे हर संभव मदद करेंगे और किसी भी व्यक्ति को घबराने की जरूरत नहीं है।

पार्षद ने कहा कि उनके वार्ड के जिन लोगों को मतदाता सूची से संबंधित नोटिस प्राप्त हुआ है, वे परेशान न हों। यदि किसी व्यक्ति को नोटिस में लिखी बात समझ में नहीं आ रही है या दस्तावेजों को लेकर किसी तरह की परेशानी है, तो वे सीधे उनके कार्यालय पहुंचकर सहायता ले सकते हैं।

एसआईआर की प्रक्रिया के मद्देनजर पार्षद देर रात तक अपने कार्यालय में मौजूद रहकर लोगों को परिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, वंशावली सहित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं। उनका कहना है कि आम लोगों को कागजी प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने के कारण किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसी उद्देश्य से कार्यालय में सहायता की व्यवस्था की गई है।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, ह्लअगर आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को वोटर लिस्ट का नोटिस मिला है तो घबराने की जरूरत नहीं है। नोटिस लेकर मेरे पास आइए। अगर आपको समझ में नहीं आ रहा है कि नोटिस में क्या लिखा है या उसका जवाब कैसे देना है, तो हम आपकी सहायता करेंगे।

पार्षद ने लोगों से एसआईआर के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नोटिस मिलने के बाद लापरवाही नहीं करनी चाहिए और निर्धारित समय के भीतर संबंधित प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए।

नोटिस में दर्ज नाम, उम्र, पता और अन्य जानकारी को ध्यानपूर्वक जांचें। किसी प्रकार की गलती होने पर समय रहते जानकारी दें।

12 मान्य दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज तैयार रखें

नोटिस का जवाब देने के लिए सभी दस्तावेज जरूरी नहीं हैं। मान्य 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज जनसुनवाई के दौरान साथ लेकर जाना जरूरी है।

उम्र, नाम और मैपिंग से संबंधित जानकारी की जांच करें

मतदाता सूची में उम्र, नाम अथवा मैपिंग से जुड़ी किसी भी त्रुटि की जानकारी मिलने पर उसे समय रहते संबंधित अधिकारी के संज्ञान में लाएं।

समय पर इछड या सुनवाई केंद्र से संपर्क करें

नोटिस मिलने के बाद निर्धारित समय सीमा का ध्यान रखें और समय पर बीएलओ अथवा संबंधित सुनवाई केंद्र से संपर्क करें।

पार्षद मो. सलाहुद्दीन असलम ने वार्डवासियों से अपील की कि एसआईआर की प्रक्रिया को गंभीरता से लें, नोटिस को नजरअंदाज न करें और जनसुनवाई में निर्धारित समय पर जरूर उपस्थित हों। उन्होंने कहा कि जागरूकता और समय पर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने से मतदाताओं को अनावश्यक परेशानी से बचाया जा सकता है।